मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 111
शनिवार, 01 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

धारा 370 हटाकर पीएम मोदी ने पूरा किया सरदार पटेल का अधूरा संकल्पः अमित शाह

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल को तत्कालीन कांग्रेस सरकार से वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के पहले गृह मंत्री को 41 साल की देरी के बाद भारत रत्न से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर, केंद्रीय गृह मंत्री ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की परिकल्पना और सरदार पटेल के सम्मान में एक भव्य स्मारक के निर्माण का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया।

शाह ने कहा कि उस समय की कांग्रेस सरकार ने सरदार वल्लभभाई पटेल को पर्याप्त सम्मान नहीं दिया। सरदार पटेल को 41 साल की देरी के बाद भारत रत्न से सम्मानित किया गया...देश में कहीं भी न तो कोई स्मारक बनाया गया और न ही कोई स्मारक...जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तभी उन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की परिकल्पना की और सरदार पटेल के सम्मान में एक भव्य स्मारक का निर्माण किया। इससे पहले आज, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई। राष्ट्रीय एकता दिवस भारत के पहले गृह मंत्री की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री ने सरदार पटेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि

आधुनिक भारत पटेल की दूरदर्शिता और प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आगे बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 को हटाकर सरदार पटेल के संकल्प को पूरा किया है। शाह ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के बाद, अंग्रेजों ने देश को 562 रियासतों में विभाजित करके छोड़ने का फैसला किया... बहुत कम समय में, सरदार पटेल ने सभी 562 रियासतों को एकीकृत करने का महान कार्य पूरा किया, और आज हम जो आधुनिक भारत का नक्शा देखते हैं, वह उनकी दूरदर्शिता और प्रयासों का परिणाम है... अनुच्छेद 370 को हटाकर कश्मीर को भारत में एकीकृत करके, प्रधानमंत्री मोदी ने सरदार पटेल के संकल्प को पूरा किया...।

केंद्रीय गृह मंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। एक्स पर एक पोस्ट में शाह ने किसानों के कल्याण के प्रति सरदार पटेल के समर्पण की प्रशंसा की। राष्ट्रीय एकता, अखंडता और किसानों के सशक्तिकरण के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी को उनकी जयंती के अवसर पर मैं कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

भोजपुर में पिता-पुत्र की गोली मारकर हत्या

भोजपुर, 31 अक्टूबर। बिहार के भोजपुर जिले में एक व्यक्ति और उसके बेटे की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान प्रमोद और उनके बेटे प्रियांशु के रूप में हुई है। दोनों भोजपुर जिले के पियानिया गांव के निवासी थे।

पुलिस के मुताबिक यह घटना बृहस्पतिवार देर रात बेला घाट में हुई, जो मुफस्सिल थाना क्षेत्र में आता है। भोजपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्रीराज ने बताया कि घटना के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रारंभिक जांच के आधार पर प्रेम प्रसंग की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने बताया, मामले की जांच की जा रही है। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र कर रही है। एसपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि इस घटना का विधानसभा चुनाव से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया, पुलिस को सूचना मिली कि बेला घाट क्षेत्र में सड़क किनारे एक व्यक्ति और उसके बेटे के शव पड़े हैं। दोनों के शरीर पर धारदार हथियार के प्रहार और गोली लगने के निशान मिले हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस अधीक्षक का कहना है कि प्रमोद के परिजनों ने घटना के पीछे प्रेम प्रसंग की आशंका जताई है। मामला हर पहलू से जांच के दायरे में है। उन्होंने कहा कि दोनों बृहस्पतिवार रात से लापता थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रियांशु की शादी आने वाले दिनों में होने वाली थी। उसके पिता प्रमोद की अपने गांव में मिठाई की दुकान है।

राज्य का दर्जा न होना केंद्रशासित प्रदेश सरकार के खराब प्रदर्शन का बहाना नहीं: उपराज्यपाल सिन्हा

कश्मीर, 31 अक्टूबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं होने को खराब प्रदर्शन का बहाना नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि निर्वाचित सरकार के पास सभी शक्तियां हैं।

सिन्हा ने यहां एसकेआईसीसी में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा है कि पहले परिसीमन, उसके बाद विधानसभा चुनाव और फिर उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा।

उपराज्यपाल ने कहा, ह्यह्यलेकिन कुछ लोगों को कुछ समस्याएं हैं। जब विधानसभा चुनाव हुआ था, तो यह स्पष्ट था कि चुनाव केंद्र शासित प्रदेश विधानसभा के लिए हो रहा है। वे (निर्वाचित सरकार) यह बहाना नहीं बना सकते कि पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने तक काम नहीं किया जा सकता। सिन्हा ने कहा कि निर्वाचित सरकार के पास सभी शक्तियां हैं और राज्य का दर्जा न होने के बहाने लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी शक्तियों का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर के लोगों की बेहतरी के लिए करना चाहिए।

'हमारी बेटियां लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, ये भारत की नई शक्तिः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी और उनकी साथी स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह थीं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को दिए संदेश में उन्होंने कहा कि आज हमारी बेटियाँ लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि अभी दो दिन पहले ही हमारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी। उनकी साथी स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह थीं। आज हमारी बेटियाँ लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं और ड्रोन दीदी बनकर आधुनिक कृषि को भी बढ़ावा दे रही हैं। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि दुनिया में सबसे

ज्यादा महिला रळएट स्नातक भारत में हैं। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी महिलाएँ नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025, महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती और आर्य समाज की समाज के प्रति 150 वर्षों की सेवा के उपलक्ष्य में आयोजित ज्ञान ज्योति महोत्सव का हिस्सा है। पीएम मोदी ने आगे कहा, पिछले वर्ष गुजरात में दयानंद सरस्वती जी की जन्मस्थली पर एक विशेष कार्यक्रम हुआ था... उससे पहले यहीं दिल्ली में मुझे महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती समारोह का उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला था... उस कार्यक्रम में हम सभी ने 200वीं जयंती समारोह को दो वर्षों तक एक अखंड बौद्धिक यज्ञ के रूप में जारी रखने का निर्णय लिया था। मुझे प्रसन्नता है कि यह अखंड बौद्धिक यज्ञ दो वर्षों से निरंतर चल रहा है... मैं स्वामी दयानंद सरस्वती के चरणों में नमन करता हूँ और उन्हें अपनी आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूरे होने का अवसर सिर्फ समाज के एक हिस्से या संप्रदाय से जुड़ा नहीं है, बल्कि पूरे देश की वैदिक पहचान से जुड़ा है। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री मोदी ने महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती और आर्य समाज की समाज सेवा की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्मारक सिक्के जारी किए। उन्होंने कहा, आर्य समाज एक ऐसा संगठन रहा है जिसने निडर होकर भारतीयता की बात की है। स्वामी दयानंदजी एक दूरदर्शी नेता थे।

उस समय व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और महिलाओं को सशक्त बनाने में स्वामी दयानंद सरस्वती के कार्यों का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि डीएवी स्कूलों में लड़कियों को शिक्षा प्रदान की जाती थी। यह महासम्मेलन ज्ञान ज्योति महोत्सव का एक प्रमुख हिस्सा है, जो महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती और आर्य समाज की समाज सेवा के 150 वर्षों के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। इस सम्मेलन में भारत और विदेशों में आर्य समाज की विभिन्न इकाइयों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए हैं। इसमें 'सेवा के 150 स्वर्णिम वर्ष' शीर्षक से एक प्रदर्शनी भी शामिल है, जो शिक्षा, सामाजिक सुधार और आध्यात्मिक उत्थान में आर्य समाज के योगदान के माध्यम से उसकी परिवर्तनकारी यात्रा को प्रदर्शित करती है।

बेंगलुरु येलो लाइन पर दौड़ेगी पांचवीं ट्रेन, अब हर 15 मिनट में मिलेगी मेट्रो, यात्रा होगी तेज

बेंगलुरु, 31 अक्टूबर। बैंगलोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (बीएमआरसीएल) ने शुक्रवार को 1 नवंबर से येलो लाइन पर पाँचवीं मेट्रो ट्रेन चलाने की घोषणा की। 70वें कर्नाटक राज्योत्सव समारोह के अवसर पर यह घोषणा की गई। बीएमआरसीएल ने कहा कि इस ट्रेन के जुड़ने से, व्यस्त समय के दौरान येलो लाइन पर सेवाओं की आवृत्ति वर्तमान 19 मिनट के अंतराल की तुलना में बढ़कर हर 15 मिनट हो जाएगी।

बैंगलोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक बयान में कहा, ह्इस सुधार से यात्रियों को कम प्रतीक्षा समय के साथ अधिक सुचारू और विश्वसनीय सेवा प्रदान करने में मदद मिलेगी। यह बदलाव सभी दिनों पर प्रभावी होगा। हालांकि, बीएमआरसीएल ने स्पष्ट किया है कि

आरवी रोड और बोम्मासंद्रा दोनों टर्मिनलों से पहली और आखिरी ट्रेन के समय में कोई बदलाव नहीं होगा। बीएमआरसीएल ने यात्रियों से इस बदलाव पर ध्यान देने और बेहतर मेट्रो सेवाओं का लाभ उठाने का भी आग्रह किया है। गौरतलब है कि येलो लाइन पर पाँचवीं नम्मा मेट्रो ट्रेन आरवी रोड और बोम्मासंद्रा को जोड़ेगी। यह ट्रेन ट्रेनों के बीच के अंतराल को मौजूदा 19 मिनट से घटाकर 15 मिनट कर देगी।

बीएमआरसीएल अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, नई ट्रेन सभी सुरक्षा और तकनीकी जाँचों में सफल रही है और सार्वजनिक सेवा के लिए तैयार है।

तकनीकी परीक्षणों का अंतिम चरण भी लगभग पूरा होने वाला है, और अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इसका संचालन आधिकारिक तौर पर नवंबर में शुरू होगा। यात्रियों को ध्यान देना चाहिए कि पाँचवीं ट्रेन का शुभारंभ दक्षिण बेंगलुरु में सेवा की आवृत्ति में सुधार और यातायात को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ट्रेन टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा चीनी कंपनी सीआरआरसी के साथ साझेदारी में भारत में असेंबल की जा रही कई ट्रेनों में से एक है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

त्रिपुरा में जादू-टोना के शक में महिला की हत्या, तीन लोग गिरफ्तार

त्रिपुरा। पश्चिम त्रिपुरा जिले के एक गांव में जादू-टोना करने के शक में 63 वर्षीय आदिवासी महिला की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सिधाई थाना क्षेत्र के अभिचरण गांव में जादू-टोना करने की आरोपी महिला नंदरानी देववर्मा के लापता होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इलाके में विशेष अभियान चलाया।

सिधाई थाना प्रभारी अजीत कुमार चकमा ने बताया, ह्यह्यबुजुर्ग महिला का शव 26 अक्टूबर को अभिचरण के एक जंगल से बरामद किया गया।

जानलेवा प्रदूषण, सरकारों की शर्मनाक नाकामी

-ललित गर्ग

भारत की वायु में जहर घुल चुका है। हाल ही में चिकित्सा जनरल में प्रकाशित एक अध्ययन ने यह निष्कर्ष दिया है कि 2010 की तुलना में 2022 में हवा में जानलेवा साबित होने वाले पीएम 2.5 कणों की मात्रा 38 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इस वृद्धि का परिणाम यह हुआ कि भारत में सत्रह लाख से अधिक लोगों की अकाल मृत्यु वायु प्रदूषण के कारण हुई। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि मानवता की उस सांस का हिसाब है जो हमारे शहरों, गांवों और जीवन से हर दिन छीनी जा रही है। प्रदूषण अब केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं रह गया है, यह हमारे विकास, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय के ढांचे पर गहरी चोट कर रहा है। यह भी सहज ही समझा जा सकता है कि 2022 की तुलना में अब वायु प्रदूषण ने और गंभीर रूप लेते हुए जानलेवा हो गया है, क्योंकि बीते तीन वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस उपाय किए ही नहीं गए। इसका प्रमाण यह है कि इन दिनों दिल्ली समेत देश के अनेक शहर बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में हैं। यह न केवल सरकार की शर्मनाक नाकामी है बल्कि भयावह और बेहद दर्दनाक भी है।

ह्यद लेंसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ ऐंड क्लाइमेट चेंज 2025ह्य रिपोर्ट केवल तथ्य नहीं, एक गंभीर चेतावनी है। लैंसेट की रिपोर्ट ही नहीं, अलग-अलग वर्षों में विभिन्न संस्थाओं के अध्ययनों ने भी कुछ इसी तरह के चिन्ताजनक आंकड़े पेश किए हैं। भारत की विशाल आबादी के कारण भी यह संख्या बड़ी हो सकती है, मगर यह समस्या गंभीर चिंतन और तत्काल निवारक कदम उठाए जाने की मांग करती है। भारत में प्रदूषण केवल औद्योगिक उत्पादन या वाहनों की बढ़ती संख्या से नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली, असंतुलित शहरीकरण और अनियोजित निर्माण से भी बढ़

रहा है। हर शहर में धूल, धुआं और अव्यवस्था की परतें जमी हैं। निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, खेतों में पराली जलाने की आदत, घरेलू ईंधनों का अंधाधुंध उपयोग और बढ़ते वाहनों की भीड़-ये सब मिलकर वातावरण को घुटनभरा एवं जानलेवा बना रहे हैं। हमारे शहर अब सांसों के शत्रु बन गए हैं। बढ़ते प्रदूषण की पीड़ा नीति-निर्धारकों से नहीं, उन लोगों से पूछिए, जो खांसते-खांसते बेदम हो जाते हैं और आखिरकार कई के फेफड़े-हृदय उनका साथ देना बंद कर देते हैं। विडंबना यह है कि इनमें से ज्यादातर उस गलती की सजा भुगतने को अभिशप्त हैं, जो उन्होंने नहीं की।

वायु में मौजूद सूक्ष्म कण अब हर सांस में जहर बनकर प्रवेश कर रहे हैं। इस प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता है। कोयला, पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों ने न केवल हवा को जहरीला बनाया है बल्कि हमारे अस्तित्व की नींव को भी कमजोर कर दिया है। इन स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन के कारण लाखों लोग असमय काल के ग्रास बन रहे हैं, लेकिन ऊर्जा नीति में सुधार की गति अत्यंत धीमी है। सरकारें बार-बार स्वच्छ ऊर्जा की बात करती हैं, योजनाएं बनाती हैं, लक्ष्य घोषित करती हैं, पर उनका क्रियान्वयन न के बराबर होता है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इस प्रदूषण के शिकार सबसे अधिक वे लोग हैं जो इसके निमार्ता नहीं हैं। गरीब मजदूर, झुग्गियों में रहने वाले, बच्चे और बुजुर्ग-ये सभी उस वायु के दंश झेल रहे हैं जिसका लाभ अमीरों ने उठाया है। एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार, अमीर तबके का प्रदूषण में योगदान अत्यधिक है। पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की ह्यजलवायु असमानता रिपोर्ट 2025ह्व बताती है कि विश्व के सबसे धनी लोग अपनी संपत्ति और निवेशों के माध्यम से जलवायु संकट को बढ़ा रहे हैं। वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के 41 प्रतिशत के लिए निजी पूंजी जिम्मेदार है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रदूषण का असली निमार्ता संपन्न वर्ग है, जबकि उसकी कीमत गरीब वर्ग अपनी सांसों और जीवन से चुका रहा है। यह असमानता केवल आय की नहीं, बल्कि पर्यावरणीय न्याय की भी है। अमीरों के पास बड़े वाहन हैं, विशाल भवन हैं, आलीशान जीवनशैली है, और वे जीवाश्म ईंधनों पर आधारित उद्योगों में निवेश करते हैं। दूसरी ओर, गरीबों के पास न तो स्वच्छ ऊर्जा है, न शुद्ध हवा। जो अमीर लोग निजी विमानों और विलासितापूर्ण संसाधनों का उपयोग करते हैं, वे एक सामान्य नागरिक की तुलना में सैकड़ों गुना अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। यह असंतुलन हमारे समाज को विषमता और अन्याय की ओर धकेल रहा है।

सरकारों की नीतिगत विफलता इस त्रासदी का दूसरा बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए ह्यआपात कदमह्व उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा ह्यमहंगा विकल्पह्व बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है।

वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे।

नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। जब तक जनता स्वयं इस समस्या को अपने जीवन का हिस्सा मानकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक राजनीतिक इच्छाशक्ति जागृत नहीं होगी। हर व्यक्ति को यह समझना होगा कि प्रदूषण से बचाव केवल मास्क लगाने से नहीं होगा, बल्कि सोच और जीवनशैली बदलने से होगा। वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। आज आवश्यकता है एक ऐसी राष्ट्रीय चेतना की, जो कहे कि हवा किसी वर्ग की नहीं, समस्त जीवन की संपत्ति है। जब तक यह चेतना जागृत नहीं होती, तब तक हर आंकड़ा, हर रिपोर्ट और हर योजना केवल दस्तावेज बनकर रह जाएगी, और भारत की हवाएं यूं ही जहर बनती रहेंगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा। प्रेषकः

योगी का गन्ना मंत्र, किसानों को राहत और सहयोगियों संग चुनावी तालमेल की मिठास

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए गन्ने के दाम में तीस रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी कर दी है। अब अगेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य चार सौ रुपये और सामान्य प्रजाति का मूल्य तीन सौ नब्बे रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह निर्णय न केवल गन्ना किसानों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि प्रदेश की राजनीति में भी नए समीकरणों की आहट दे रहा है। इस एक फैसले से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान वर्ग, सहयोगी दलों और उद्योग जगत तीनों को साधने की कोशिश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खेतों से लेकर पूर्वांचल के गांवों तक इस घोषणा ने चर्चा का माहौल बना दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब प्रदेश में पंचायत चुनावों की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और 2027 के विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट भी तेज होती दिख रही है।

गन्ना, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की जान कहा जा सकता है। यह सिर्फ एक फसल नहीं बल्कि करोड़ों किसानों की आजीविका का आधार है। प्रदेश में करीब 29.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर गन्ना बोया जाता है और 122 से अधिक चीनी मिलें इसका प्रसंस्करण करती हैं। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से गन्ना किसानों को लगभग तीन हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। योगी सरकार का दावा है कि 2017 से अब तक उसने चार बार गन्ना मूल्य बढ़ाया है और इस अवधि में किसानों को लगभग दो लाख नब्बे हजार करोड़ रुपये का भुगतान कराया गया है, जो पिछली दो सरकारों के संयुक्त भुगतान से कहीं अधिक है। इस आंकड़े के पीछे सरकार का उद्देश्य साफ है किसानों के बीच भरोसे का माहौल बनाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देना।

राजनीतिक तौर पर देखें तो यह कदम बेहद रणनीतिक है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों का वोट बैंक बेहद प्रभावी माना जाता है। मुजफ्फरनगर, मेरठ, सहारनपुर, बागपत, शामली जैसे जिलों में गन्ना किसानों की भूमिका निर्णायक होती है। 2007 में जब किसान बसपा की ओर झुके, तब मायावती सत्ता में आईं। 2012 में उन्होंने समाजवादी पार्टी का रुख किया तो अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने। 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के बाद समीकरण बदले और किसान भाजपा के साथ खड़े दिखे। 2014 और 2017 में भाजपा ने इस समर्थन का पूरा लाभ उठाया। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में गन्ना बकाया और भुगतान में देरी के मुद्दे ने असर दिखाया और भाजपा की कई सीटें खतरे में आईं। उसके बाद किसान आंदोलन ने पश्चिमी यूपी की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। इस बार योगी सरकार ने समय रहते गन्ना मूल्य वृद्धि करके उसी भरोसे को फिर से मजबूत करने की कोशिश की है।

इस फैसले का असर सिर्फ किसानों तक सीमित नहीं रहेगा। भाजपा के सहयोगी दल जैसे राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (एस) और सुभासपा को भी यह फैसला साधता दिखता है। आरएलडी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि योगी सरकार ने गन्ने की मिठास और किसानों की मेहनत का मान रखा है। इसी तरह सुभासपा और अपना दल (एस) ने भी सरकार की सराहना की है। यह संदेश साफ है कि भाजपा अपने सहयोगियों के साथ तालमेल को मजबूत करने में लगी है ताकि आने वाले चुनावों में विपक्ष को एकजुट होने का मौका न मिले। पश्चिमी यूपी में आरएलडी की पकड़ मजबूत है और किसान वर्ग में उसका प्रभाव भी। ऐसे में सरकार का यह कदम राजनीतिक दृष्टि से दोहरा फायदा देता है किसान खुश और सहयोगी दल संतुष्ट।

गन्ना नीति को लेकर योगी सरकार की दिशा पिछले कुछ वर्षों में काफी स्पष्ट रही है। सरकार ने बकाया भुगतान को लेकर लगातार निगरानी रखी है, चीनी मिलों पर दबाव बनाया है और ह्यस्मार्ट गन्ना किसानह्व जैसी ऑनलाइन प्रणाली शुरू की है, जिससे गन्ना पर्ची और भुगतान की प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है। अब किसान का भुगतान सीधे डीबीटी के जरिए खाते में पहुंचता है। बिचौलियों का प्रभाव लगभग खत्म हुआ है। सरकार ने यह भी बताया है कि अब तक 42 चीनी मिलों की उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा चुकी है, छह बंद मिलों को दोबारा चालू किया गया है और चार नई मिलें स्थापित की गई हैं। इन कदमों से प्रदेश में बारह हजार करोड़ रुपये का निवेश आया है, जिससे गन्ना उद्योग में रोजगार के नए अवसर भी बढ़े हैं।

इथेनॉल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश ने नया कीर्तिमान बनाया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में इथेनॉल उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर तक पहुंच गया है और आसवनियों की संख्या 61 से बढ़कर 97 हो गई है। इससे न सिर्फ किसानों को नई आमदनी के रास्ते खुले हैं, बल्कि वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र को भी बल मिला है। सरकार के अनुसार, दो चीनी मिलों में अब सीबीजी संयंत्र भी लगाए जा रहे हैं ताकि गन्ने के अपशिष्ट से जैव ऊर्जा का उत्पादन हो सके। इस तरह योगी सरकार गन्ना नीति को केवल मूल्य वृद्धि तक सीमित नहीं रखना चाहती बल्कि इसे ऊर्जा, निवेश और आत्मनिर्भरता के बड़े लक्ष्य से जोड़ रही है।

हालांकि, विपक्ष इस फैसले को चुनावी दांव करार दे रहा है। समाजवादी पार्टी के सांसद वीरेंद्र सिंह का कहना है कि महंगाई के अनुपात में यह वृद्धि पर्याप्त नहीं है और सरकार किसानों के साथ छल कर रही है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने भी कहा कि दाम बढ़ाना अच्छा है, लेकिन 400 रुपये के पार जाना चाहिए था ताकि महंगाई की भरपाई हो सके। इन आलोचनाओं के बावजूद, यह भी सच है कि योगी सरकार के कार्यकाल में अब तक गन्ने के मूल्य में कुल 85 रुपये की वृद्धि हुई है, जबकि मायावती और अखिलेश यादव की संयुक्त दस वर्षों की अवधि में यह वृद्धि मात्र 65 रुपये रही थी।

गन्ने की मिठास में छिपी राजनीति को समझना आसान नहीं। यह फसल पश्चिमी यूपी के साथ-साथ पूर्वांचल में भी आर्थिक-सामाजिक प्रभाव रखती है। माना जाता है कि प्रदेश की लगभग 180 विधानसभा सीटों पर गन्ना किसानों का सीधा प्रभाव है। ऐसे में योगी सरकार का यह फैसला चुनावी समीकरणों को सीधे प्रभावित करेगा। यदि किसानों के बीच यह संदेश जाता है कि सरकार ने उनके हित में काम किया है और बकाया भुगतान समय पर हुआ है, तो यह भाजपा के लिए बड़े राजनीतिक लाभ में बदल सकता है।इसके साथ ही सरकार ने हाल में फॉस्फेटिक और पोटासिक उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ाने का निर्णय भी लिया है। लगभग 37,952 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के साथ यह कदम किसानों को सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खाद समय पर उपलब्ध कराने के लिए उठाया गया है। इससे गन्ने की उत्पादकता और लागत पर सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, योगी आदित्यनाथ का यह निर्णय एक साथ कई मोर्चों को साधने वाला है। इससे जहां किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की छवि मजबूत होगी। सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने की रणनीति और उद्योग में निवेश को बढ़ावा देने की नीति, दोनों का मेल इस फैसले में साफ झलकता है। गन्ना उत्तर प्रदेश की राजनीति का ऐसा घटक है जो हर चुनाव में स्वाद बदल देता है। इस बार योगी सरकार ने उसी मिठास को अपने पक्ष में करने की ठोस कोशिश की है। अगर आने वाले महीनों में बकाया भुगतान की स्थिति नियंत्रण में रहती है और किसान वाकई इस बढ़ोतरी का लाभ महसूस करते हैं, तो यह फैसला भाजपा के लिए पश्चिमी यूपी की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।गन्ने की बढ़ी हुई कीमत के साथ किसानों की उम्मीदें भी बढ़ी हैं। यह फैसला केवल आर्थिक राहत नहीं बल्कि राजनीतिक संदेश भी है कि योगी सरकार ग्रामीण उत्तर प्रदेश को अपनी प्राथमिकता में रखे हुए है। अब देखना यह होगा कि यह मिठास कितनी दूर तक असर दिखाती है सिर्फ खेतों तक या फिर विधानसभा तक।

विनम्रता, मनुष्यता का सत्व-सार, जीवन की मुस्कुराहट

संजीव ठाकुर

विनम्रता मनुष्य के भीतर का वह नाद है, जो बिना बोले उसकी आत्मा का संगीत बन जाता है। यह विराट ज्ञान का सहज और मौन रूप है, जो शोर नहीं करता, परंतु चारों ओर सौंदर्य और संतुलन फैला देता है। जिस प्रकार सूर्य बिना गर्व किए प्रकाश देता है और सागर अपनी गहराई का बखान नहीं करता, उसी प्रकार सच्चा ज्ञानी अपनी विनम्रता से ही पहचाना जाता है। विनम्रता मनुष्य के व्यक्तित्व की वह आभा है, जो बिना आभूषणों के भी उसे तेजस्वी बना देती है।मनुष्य का स्वभाव दो ध्रुवों पर टिका है अहंकार और विनम्रता। अहंकार ऊँचा उठने की चेष्टा करता है पर भीतर खोखलापन बढ़ाता है, जबकि विनम्रता नीचे झुककर भीतर की गहराई में डूबती है और वहाँ से आत्मबल का जल खोज लाती है। यही कारण है कि विनम्र व्यक्ति स्थायी रूप से ऊँचा होता है, जबकि अहंकारी व्यक्ति क्षणिक प्रसिद्धि के बाद विस्मृति में खो जाता है। ज्ञान का सार यह नहीं कि हम क्या जानते हैं, बल्कि यह कि हम जो जानते हैं, उसे कितनी विनम्रता से स्वीकारते हैं।

दार्शनिक सुकरात ने कहा थाह्लमुझे केवल इतना ज्ञात है कि मैं कुछ नहीं जानता।ह्व यह वाक्य केवल आत्मस्वीकार नहीं, बल्कि गहन दार्शनिक साक्षात्कार था। जब व्यक्ति यह जान लेता है कि उसके ज्ञान की सीमा है, तभी उससे परे के सत्य की खोज आरंभ होती है। यही विनम्रता का प्रारंभ है। बुद्ध ने कहा – ह्लविनय ही ज्ञान का द्वार है।ह्व इसीलिए बौद्ध संघ में प्रथम गुण के रूप में ह्लविनयह्व को स्वीकार किया गया। भारतीय दर्शन में भी विनय को ब्रह्मचर्य, अहिंसा और सत्य की भांति जीवन की साधना माना गया है। विनम्रता व्यक्ति को भीतर से निर्मल बनाती है। वह दूसरों की सफलता से ईर्ष्या नहीं करता, क्योंकि उसे ज्ञात होता है कि प्रत्येक आत्मा अपने मार्ग पर साधना में है। विनम्र व्यक्ति का अहंकार नहीं, आत्मसम्मान बोलता है। वह दूसरों की बात सुनता है, उन्हें सम्मान देता है और सीखने की प्रक्रिया में सदैव तत्पर रहता है। यही कारण है कि विनम्रता और ज्ञान एक ही सिक्के के दो पहलू हैं – जहाँ ज्ञान है, वहाँ विनम्रता अनिवार्य है।

भारतीय संतों और चिंतकों ने सदैव यह कहा कि सच्चा ज्ञान वही है, जो मनुष्य को नम्र बनाता है। तुलसीदास ने कहा था

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंछी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।

अर्थात यदि ऊँचाई केवल बाहरी है और उसके नीचे करुणा व विनम्रता नहीं, तो वह व्यर्थ है। संत कबीर ने इसी भाव को और स्पष्ट किया –

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहीं।
सब अँधियारा मिट गया, दीपक देखा माहीं।

यह का अभाव ही विनम्रता का परम रूप है जहाँ व्यक्ति अपने अस्तित्व का विसर्जन सत्य में कर देता है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, और स्वामी विवेकानंद जैसे विभूतियों ने ज्ञान और विनम्रता का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। राधाकृष्णन जी कहते थे सच्चा शिक्षक वही है जो सीखना कभी नहीं छोड़ता। यह विनम्रता का ज्ञानात्मक रूप है। कलाम साहब की सादगी में विज्ञान था, पर उनकी विनम्रता में दर्शन था। वे राष्ट्र के शीर्ष पर पहुँचकर भी बच्चों के प्रश्नों के आगे झुक जाते थे। विवेकानंद ने कहा था – नम्र रहो, क्योंकि विनम्रता में ही शक्ति है।

विनम्रता केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, यह सामाजिक चेतना का आधार भी है। जब समाज के अग्रणी, नेता, शिक्षक, या विचारक विनम्र होते हैं, तब समाज में संवाद जीवित रहता है, और जहाँ संवाद जीवित रहता है, वहाँ संघर्ष की जगह समझ पनपती है। विनम्रता विचारों का सेतु है, दीवार नहीं। यह अहं के कोलाहल में भी संवाद की ध्वनि बनाए रखती है।

।महात्मा गांधी ने भी यही दर्शन जीया। सत्य और अहिंसा उनके साधन थे, पर उनकी जड़ें विनम्रता में थीं। वे विरोधी से भी संवाद करते थे, शत्रु में भी मनुष्य देखते थे। यह उनकी कमजोरी नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता थी। विनम्रता की यही पराकाष्ठा थी, जिसने बिना हथियार के साम्राज्य को हिला दिया। विनम्रता का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति स्वयं को छोटा समझे, बल्कि यह कि वह अपने अहं को बड़ा न समझे। यह आत्मबोध का गुण है, आत्महीनता का नहीं। विनम्र व्यक्ति का आत्मबल इतना प्रखर होता है कि वह दूसरों को भी बल देता है। उसके शब्द नहीं, उसका मौन शिक्षा देता है। उसके सामने लोग झुकते नहीं, अपने भीतर झाँकते हैं। आज के युग में जहाँ प्रतिस्पर्धा का कोलाहल है, वहाँ विनम्रता वह शीतल छाया है जो व्यक्ति को जलने से बचाती है। यह केवल व्यवहार की मयार्दा नहीं, बल्कि आत्मा की परिपक्वता है। ज्ञान का सच्चा उद्देश्य यह नहीं कि हम दूसरों से श्रेष्ठ बनें, बल्कि यह कि हम स्वयं को बेहतर बनाएं। और यह ह्यबेहतर बनने की यात्रा तभी संभव है जब मनुष्य विनम्र हो।

अहंकार क्षणभंगुर है, जैसे बुलबुला चमकता जरूर है पर टिकता नहीं। विनम्रता स्थायी है, जैसे गंगा – शांत, शीतल, निरंतर बहती हुई, सबको स्नान कराती हुई। भारतीय संस्कृति की दीघार्यु का रहस्य इसी विनम्रता में छिपा है। सहिष्णुता, करुणा, विनय और संयम हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। यही हमें नश्वर परिस्थितियों में भी अमर बनाती हैं। अंततः यही कहा जा सकता है कि विनम्रता वह दर्पण है जिसमें ज्ञान अपनी वास्तविक छवि देखता है। बिना विनम्रता के ज्ञान अधूरा है, और बिना ज्ञान के विनम्रता अंधी। जब ये दोनों एक साथ मिलते हैं, तभी मनुष्य का व्यक्तित्व प्रकाशमान होता है। यही वह अवस्था है जहाँ मनुष्य माननीय नहीं, बल्कि महनीय बनता है।

आज भी जारी है सत्ता की सियासत में परिवारवाद

बिहार में सत्ता की सियासत में परिवारवाद का खेल जारी है। प्रदेश की कई पार्टियों ने अपने सगे संबंधियों को ही चुनावी मैदान में उतारा है। लगभग हर जिले में किसी न किसी बड़े सियासी घराने के बेटे, बेटी, दामाद, बहू या पत्नी चुनावी अखाड़े में हैं। गायघाट से गया, रोहतास से औरंगाबाद और समस्तीपुर से लेकर मुजफ्फरपुर तक, टिकट बंटवारे में पारिवारिक समीकरण देखे जा सकते हैं।

बीजेपी, जेडीयू, राजद और रालोमो ने अपने परिवार वालों पर ही भरोसा जताया। किसी सांसद की पत्नी मैदान में हैं तो कहीं पूर्व मंत्री के बेटे को टिकट मिला। कहीं, दामाद से उम्मीदें हैं तो कहीं बहू और समधिन को प्रचारक बनाया। सारण के गरखा से चिराग ने अपने भांजे सीमांत मृणाल को मैदान में उतारा है। जिससे साफ होता है कि बिहार की राजनीति में वंशवाद सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति बन चुकी है। नेताओं के घरों से निकली नई पीढ़ी अब अपनी सियासी पहचान गढ़ने को तैयार है। गया की दस सीटों में चार हम (हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा) को मिलीं हैं। इन सभी पर जीतनराम मांझी ने परिवार या रिश्तेदारों को उतारा है। टिकारी से डॉ. अनिल कुमार और अतरी से उनके भतीजे रोमित कुमार उम्मीदवार हैं। बाराचट्टी से ज्योति देवी मांझी (समधिन) और इमामगंज से दीपा मांझी (पतोहु) मैदान में हैं। उधर, चेरिया बरियारपुर में जदयू ने पूर्व मंत्री मंजू वर्मा के बेटे अभिषेक आनंद को टिकट दिया, जबकि राजद ने पूर्व मुख्यमंत्री सतीश प्रसाद सिंह के बेटे सुशील सिंह कुशवाहा को उतारा।

गायघाट से जदयू प्रत्याशी कोमल सिंह की मां वीणा देवी वैशाली से सांसद हैं?। पिता जदयू के एमएलसी हैं। उनके अलावा सकरा में जदयू विधायक अशोक चौधरी के बेटे आदित्य कुमार चुनावी मैदान में हैं। मीनापुर से जदयू ने पूर्व मंत्री दिनेश प्रसाद सिंह के बेटे अजय कुशवाहा को टिकट दिया। कुढ़नी से बबलू कुशवाहा ससुर बसावन भगत (पूर्व मंत्री) की परंपरा आगे बढ़ा रहे हैं। साहेबगंज में राजद ने पूर्व मंत्री राम विचार राय के दामाद पृथ्वीनाथ राय को उम्मीदवार बनाया। बरूराज से वीआईपी के ई. राकेश राय चुनाव मैदान में हैं, पिता शशि राय पांच बार विधायक रह चुके हैं।

सासाराम से स्नेहलता (उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी) रालोमो प्रत्याशी हैं। दिनारा से आलोक सिंह (मंत्री संतोष सिंह के भाई) मैदान में हैं। औरंगाबाद से गोपाल सिंह के पुत्र त्रिविक्रम नारायण सिंह भाजपा प्रत्याशी हैं। करगहर में संतोष मिश्रा (पूर्व मंत्री गिरीश नारायण के पुत्र) कांग्रेस के उम्मीदवार बनाए गए हैं।नवीनगर से जदयू ने चेतन आनंद (आनंद मोहन और लवली आनंद के पुत्र) को मैदान में उतारा है।

तरारी-बक्सर इलाके में पांडेय परिवार का क्षेत्र में प्रभाव है। तरारी से भाजपा विधायक विशाल प्रशांत (पूर्व जदयू विधायक सुनील पांडेय के पुत्र) फिर मैदान में हैं। उनके चाचा हुलास पांडेय बक्सर की ब्रह्मपुर सीट से लोजपा (आर) के प्रत्याशी हैं। शाहपुर से राकेश रंजन (दिवंगत भाजपा उपाध्यक्ष विश्वेश्वर ओझा के पुत्र) भाजपा प्रत्याशी हैं। जगदीशपुर से राम विष्णु सिंह लोहिया के बेटे किशोर कुणाल को टिकट मिला है। आधिकारिक वेबसाइटों, चुनावी हलफनामों और भारत के चुनाव आयोग की रिपोर्टों के आंकड़ों से पता चला है कि सभी राजनीतिक दल प्रथम परिवारों के प्रभाव में हैं। देश भर के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आश्चर्य की बात नहीं है कि कांग्रेस, अपनी सिकुड़ती चुनावी उपस्थिति के बावजूद, इस सूची में शीर्ष पर है जिसके 33.25% सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्य राजनीतिक परिवारों से आते हैं। भारतीय जनता पार्टी, जो स्पष्ट रूप से एक अलग संगठन है, अपने प्रतिद्वंद्वी के साथ कदमताल मिला रही है। इसके 2,078 विधायकों में से, अनुमानित 18.62% वंशवादी हैं। यह भी चौंकाने वाली बात है कि जब राज्य विधानसभाओं या संसद में एक से अधिक सदस्यों वाले परिवारों की बात आती है, तो भाजपा नंबर एक स्थान पर है भाजपा के सहयोगी दलों में, तेलुगू देशम पार्टी के 163 विधायकों में से 51 विधायक वंशवादी हैं, जबकि जनता दल (यूनाइटेड) के 81 विधायकों में से 28 वंशवादी हैं। यह परिवार द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, जो राष्ट्रीय विपक्ष के कुछ घटक हैं, में भी फैसले लेता है। लोकतंत्र में, रिश्तेदारों को राजनीतिक उत्तराधिकार का अधिकार देने से रोकने वाला कोई नियम नहीं है। लेकिन यह परंपरा कई कारणों से लोकतंत्र की भावना के प्रतिकूल है। उदाहरण के लिए, लोकतंत्र के गहराने से आदर्श रूप से राजनीतिक दलों की पहुँच आम लोगों के लिए अधिक सुलभ होनी चाहिए। हालाँकि, इस समय एक विपरीत समीकरण प्रचलित है - जो योग्यता के सिद्धांत के लिए हानिकारक है - जिसमें एक राजनीतिक दल ऐसे पारिवारिक पूंजीहीन लोगों पर भरोसा करने के बजाय नेता के परिवार के सदस्यों के प्रति वफादार रहना पसंद करता है। यह पार्टियों को नई पीढ़ी के नेताओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार करने से भी रोकता है। इस कमी के गंभीर परिणाम होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक नेता का निधन या अयोग्यता आंतरिक पारिवारिक कलह की संभावना को बढ़ा सकता है, जिससे दलबदल या यहाँ तक कि एक राजनीतिक इकाई का विघटन भी हो सकता है। राजनीतिक संस्थाओं पर परिवार की पकड़ के कारण सामूहिक असंतोष के संकेत मिल रहे हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि जिसमें नेतृत्व क्षमता हो वो आगे आएं और राजनीति में वंशवाद की कोई जगह नहीं। देश की आजादी के इतने वर्षों बाद भी परिवारवाद की जड़ें मजबूत और गहरी होती चली गईं है। लोहिया का नाम लेनेवालों दलों ने तो लोहिया का अनुसरण ही नहीं किया। किसी एक एक दल की बात नहीं कांग्रेस पर सवाल खड़े करने वाली बीजेपी भी इससे अछूती नहीं। अलग-अलग जातियों और पिछड़े लोगों के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टियां भी विरासत परिवार को ही सौंपते हैं।

(विनायक फीचर्स)

आर्य समाज और सनातन धर्म

स्वामी दयानंद सरस्वती जी द्वारा 1875 में मुंबई मैं स्थापित एक एकेश्वरवादी हिंदू सुधार आंदोलन है। यह वेदों को अचूक मानता है, और मूर्तिपूजा, जातिवाद, छूवाछूत और अन्य अंधविश्वासों को अस्वीकार करता है। इसका उद्देश्य हिंदू धर्म की शुद्ध वैदिक परंपरा को पुनर्जीवित करना और सभी लोगो का अध्यात्मिक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण करना है। आर्य समाज का मुख्य सिद्धांत और उद्देश्यः

-विक्रम दयाल

वेदों पर विश्वासः यह आंदोलन वेदों को ज्ञान का सबसे बड़ा विश्वसनीय श्रोत मानता है। सामाजिक सुधारः यह जातिवाद, छूवाछूत, बाल विवाह, सती प्रथा, और बहु विवाह जैसी कुरीतियों का विरोध करता है। सम्मानताः यह महिलाओं और शुद्रों सहित सभी को शिक्षा और यज्ञोपवीत धारण करने का अधिकार देता है। धर्मांतरण को रोकनाः यह हिंदू धर्म में धर्मांतरण को रोकने और धर्मांतरित व्यक्तियों को वापस लानें (शुद्धि) के लिए काम करता है। मानव कल्याणः इसका आदर्श वाक्य ह्लकृण्वन्तो विश्व- मार्यम्‌ह्व है। जिसका अर्थ है विश्व को आर्य (श्रेष्ठ) बनाते चलो। शिक्षाः आर्य समाज ने गुरुकुल और स्कूलों की स्थापना की, जो वैदिक ज्ञान और संस्कृत को बढ़ावा देते हैं। आर्य समाज के प्रमुख कार्यः शिक्षाः शिक्षा के लिए गुरुकुल और कालेज खोले। सेवाः अनाथालयों, विधवाओं के लिए आश्रय और अस्पतालों की स्थापना की। सामाजिक जागरुकताः नशा और मांसाहार के खिलाफ जा सकता अभियान चलाता है। राष्ट्रीय योगदानः कई आर्य समितियों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रेष्ठ आचरण व श्रेष्ठ गुण वालों को आर्य कहा जाता है। इसी कारण हमारे देश का नाम आर्यावर्त था क्योंकि उस काल में लोगों का आचरण व श्रेष्ठ थे। बड़ों को सम्मान देने के लिए आर्य शब्द कि प्रयोग किया जाता था। दशरथ जी को सम्मान देने के कारण ही राम को आर्य पुत्र कहा गया है। आर्य समाज और सनातन धर्म में गहरा संबंध है। क्योंकि आर्य समाज और सनातन धर्म के भीतर एक सुधारवादी आंदोलन है। आर्य समाज दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य वैदिक परंपराओं को शुद्ध रुप में वापस लाना और मूर्ति पूजा, कर्मकांड, और अंधविश्वासों को खत्म करना था। जबकि सनातन धर्म को शाश्वतधर्म माना जाता है, आर्य समाज सनातन धर्म का एक हिस्सा है, जो इसे वेदों के ज्ञान के आधार पर फिर से स्थापित करना चाहता है। आर्य समाज और सनातन धर्म का संबंधः आर्य समाज अपने आप में कोई अलग धर्म नही है, बल्कि यह हिंदू धर्म (सनातन धर्म). की एक शाखा है। इसका लक्ष्य सनातन में प्रचलित वैदिक परंपराओं को बहाल करना है। स्वामी दयानंद सरस्वती का दृष्टिकोणः स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा था कि उनका कोई नया मत शुरू करने का उद्देश्य नही था, बल्कि वे प्रचीन ऋषियों के मार्ग का अनुसरण करना चाहते थे। समानता और अंतरः दोनों ही ईश्वर की पूजा मृं विश्वास करते है, और यह मानते हैं कि सभी सत्य वेदों से ही आते हैं। अंतरः- आर्य समाज कुछ ऐसी मान्यताओं का विरोध करता है जो सनातन धर्म के कुछ हिस्सों में प्रचलित है। जैसे कि मूर्ति पूजा, अवतारवाद, और जातिवाद पर आधारित जन्मना व्यवस्था है। आर्य

इमारत की छत से कूदकर महिला ने की आत्महत्या, बीमारी की वजह से डिप्रेशन में थी महिला

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को एक महिला ने मेट्रो रेसीडेंसी इमारत की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने वाली महिला की पहचान कल्याणी झा के रूप में हुई है।

महिला दिल्ली की एक निजी कंपनी में कार्यरत थी। वह पिछले कुछ वर्षों से बीमार थी। वह इलाज के लिए कल्याण में अपने रिश्तेदारों के पास आई हुई थी। उसके रिश्तेदार उसे इलाज के लिए डोंबिवली के एक अस्पताल ले गए थे। वहाँ के डॉक्टरों ने कहा कि उसे भर्ती करना होगा। यह सुनकर महिला वहाँ से चली गई। तभी उसके रिश्तेदार उसकी तलाश करने लगे। महिला कल्याण में अपने रिश्तेदारों के घर आई। घर पर ताला लगा था। वह सीधे इमारत की छत पर पहुँची। महिला ने 19 मंजिला इमारत की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उसने बीमारी के कारण आत्महत्या की है। कोलसेवाड़ी पुलिस घटना की आगे की जाँच कर रही है।

कल्याण में भांजे ने की अपने मामा की बेरहमी से हत्या

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण से सटे मोहने इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है। भांजे ने अपने मामा की बेरहमी से हत्या कर दी। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में तस्वीरें साफ देखी जा सकती है, भांजा अपने मामा किस तरह से को घसीट कर ले जा रहा है। कुछ ही दूरी पर लादी पत्थर से हमला कर मामा को मौत के घाट उतार दिया। सीसीटीवी के आधार पर पुलिस ने इस हत्याकांड में 26 वर्षीय गणेश रमेश पुजारी को आरोपी बनाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कल्याण के खड़कपाड़ा थाना क्षेत्र के मोहने में हत्या का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मृतक मरियप्पा राजू नायर की हत्या करने वाला कोई और नही बल्कि उसका भांजा बताया जा रहा है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार दोनो एक साथ रहते थे आपसी रंजिश के चलते सायद इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। पूरे मामले की जांच खडकपाडा पुलिस कर रही है।

विनायक कॉलोनी में पानी की समस्या का समाधान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के विनायक कॉलोनी परिसर में पिछले कई दिनों से पीने के दूषित पानी और पानी की अनियमितता की समस्या से नागरिक परेशान थे। स्थानीय निवासियों ने इस समस्या को समाजसेवक सदानंद (बाबा) तिवारी और श्वेता तिवारी (पांडे) समाजसेविका के संज्ञान में लाया। दोनों ने तुरंत पानी विभाग के अभियंता से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई।

अभियंता और अधिकारियों ने विनायक कॉलोनी परिसर का दौरा किया और लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि समस्या का समाधान करने के लिए प्रशासनिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है और जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। स्थानीय निवासियों ने सदानंद बाबा तिवारी और श्वेता पांडे का आभार व्यक्त किया है कि उन्होंने उनकी समस्या को गंभीरता से लिया और समाधान के लिए प्रयास किए। अब परिसर में रहने वाले लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलेगा।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाशाली बेटी सेरेना म्हस्कर को सम्मानित किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। २०२५ में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संपन्न हुई कबड्डी प्रतियोगिता में कुमारी सेरेना म्हस्कर ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता था । पूरे देश, खासकर महाराष्ट्र का नाम रोशन करने के लिए सेरेना की चौतरफा सराहना की जा रही है। इस प्रतिभाशाली बेटी को सम्मानित करने के लिए, आराध्य लोकसेवा प्रतिष्ठान और समाजसेवी धर्मेश गिरि के माध्यम से अचिजा होटल हॉल में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। घाटकोपर के भाजपा विधायक पराग शाह ने कुमारी सेरेना म्हस्कर को सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजक पूर्व नगरसेवक विजय तांडेल, समाजसेवी धर्मेश गिरि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस दौरान, विधायक पराग शाह ने सेरेना की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह सेरेना की कड़ी मेहनत, निष्ठा और दृढ़ संकल्प को सलाम करते हैं और उनकी सफलता पर उन्हें बधाई देते हुए बेहद खुश हैं। सेरेना आज की पीढ़ी के युवाओं के लिए प्रेरणा बनें। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ!

जिला परिषद पालघर में तहसील अधिकारियों के लिए शाश्वत विकास लक्ष्यों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय स्तर पर शाश्वत विकास लक्ष्यों (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स एसडीजी) की प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्रामपंचायत विभाग, जिला परिषद पालघर की ओर से दो दिवसीय थीमैटिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला बोईसर के पाचमार्ग स्थित सॉलिटेयर सभागृह में सम्पन्न हुई, जिसमें जिले के सभी तहसील अधिकारी, गटविकास अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार्यशाला का उद्घाटन उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील ने किया। उन्होंने कहा कि शाश्वत विकास लक्ष्य केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहकर नागरिकों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने वाले होने चाहिए। प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर एसडीजी की भावना आत्मसात कर उसे कार्यरूप दिलाना ही असली उद्देश्य है। यशदा, पुणे के प्रशिक्षक भरत हजारे ने गरिबीमुक्त और उपजीविका-सक्षम ग्राम विषय पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि वंचित एवं उपेक्षित वर्गों का जीवनस्तर उन्नत करना ही वास्तविक विकास का प्रतीक है। इसी संस्थान की विशाखा वानखेडे ने आरोग्यदायी ग्राम, बालस्नेही ग्राम व सामाजिक न्याययुक्त ग्राम विषयों पर प्रभावी सादरीकरण किया, जबकि विजय अंबात ने जलसमृद्ध, हरित व स्वच्छ ग्राम की संकल्पना पर विस्तृत मार्गदर्शन करते हुए शाश्वत आधारभूत सुविधाओं की दिशा स्पष्ट की।

दूसरे दिन जिला पेसा समन्वयक

विकास पाटिल ने सुशासनयुक्त ग्राम विषय पर मार्गदर्शन करते हुए कहा कि वर्ष 2030 तक संतुलित, समावेशी और शाश्वत विकास हासिल करने के लिए प्रत्येक स्तर पर उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और समन्वय अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान गरिबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सर्वजन आरोग्य, स्वच्छ जल व स्वच्छता, शाश्वत कृषि, हवामान परिवर्तन नियंत्रण, लिंग समानता, हरित ऊर्जा और सशक्त संस्थागत शासन जैसे महत्त्वपूर्ण एसडीजी विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। समूह चर्चा, केस स्टडी और प्रेजेंटेशन के माध्यम से अधिकारियों को व्यावहारिक रूप से इन लक्ष्यों की प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य तहसील अधिकारियों को एसडीजी एक्शन प्लान को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु सक्षम बनाना था। योजनाओं की रूपरेखा, आंकड़ों के माध्यम से परिणामों का आकलन और विकास सूचकांकों में सुधार के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी अधिकारियों और विभागों को अपने-अपने क्षेत्र में एसडीजी चैंपियन के रूप में जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया गया। सहभागी अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रशिक्षण से जिले की विकास योजना को नई दिशा मिलेगी। इस कार्यशाला के सफल आयोजन में एम. एन. गढरी (सहायक गटविकास अधिकारी, पंचायत विभाग, जिला परिषद पालघर), डिंपल पाटील (जिला प्रबंधक, आर.जी.एस.ए.), मंगेश तामोरे (लेखापाल एवं मूल्यांकन संयोजक) सहित ग्रामपंचायत विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बोईसर तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में लगी भीषण आग, तीन लोग घायल

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर औद्योगिक क्षेत्र स्थित रिस्पोंसिव नामक कार्पेट और रस्सी (दोरखंड) बनाने वाली कंपनी में शुक्रवार 31 अक्टूबर दोपहर लगभग 4:15 बजे अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही बोईसर अग्निशमन दल की गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस दुर्घटना में तीन लोग हल्के रूप से घायल हुए हैं। उन्हें नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। समाचार लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा जांच जारी है। स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके को खाली करा लिया है और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

बोईसर में दिनदहाड़े ज्वेलरी शॉप में लूट, फायरिंग के बाद बदमाश फरार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित गणेश नगर बाजार में शुक्रवार सुबह करीब सवा 11 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई जब दो अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने चतुर्भुज नाथ ज्वेलर्स में दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने दुकान में घुसते ही फायरिंग की और नकली गहने लेकर बाइक से फरार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार घटना के दौरान दुकान में मालिक का छोटा बेटा गणेश मौजूद था। मालिक माधव लाल (मूल निवासी राजस्थान) किसी काम से बाहर गए हुए थे, जबकि उनका बड़ा बेटा जीतू बाजार गया था। इसी दौरान एक बदमाश असलहा लेकर दुकान में

घुसा, जबकि दूसरा पत्थर लेकर बाहर खड़ा रहा। बदमाश ने गणेश को असलहे की नोक पर धमकाते हुए लूटपाट शुरू की, लेकिन गणेश ने साहस दिखाते हुए असलहा पकड़ लिया, जिससे मौके पर ही गोली चल गई। इस अफरा-तफरी में बदमाश घबराए और एक का असलहा वहीं गिर गया। बाहर मौजूद साथी को पकड़ने की कोशिश की गई, मगर दोनों बदमाश बाइक से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही बोईसर पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मौके से असलहा बरामद कर लिया है। फिलहाल बदमाशों की पहचान नहीं हो सकी है।

उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख और बोईसर विभागीय पुलिस अधिकारी विकास नाईक के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक सुनील जाधव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और बदमाशों की तलाश में बोईसर पुलिस द्वारा जांच तेज कर दी गई है।

भिवंडी मनपा द्वारा स्व.इंदिरा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल को अभिवादन कर दी गयी श्रद्धांजलि

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शासन एवं भिवंडी मनपा के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के निदेर्शानुसार उपायुक्त (मुख्यालय) विक्रम दराडे, लेखा एवं वित्त अधिकारी रामप्रसाद सोलुंके द्वारा नए प्रशासनिक भवन के भूतल पर स्व. इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर अभिवादन किया गया। तत्पश्चात प्रभाग समिति 1 के सहायक आयुक्त मकसुम शेख एवं कार्यालयीन अधीक्षक लक्ष्मण कोंकणी ने आईजीएम अस्पताल स्थित स्वर्गीय इंदिरा गांधी की अर्ध प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि

अर्पित की। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर उपायुक्त (मुख्यालय) ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वयं को समर्पित करने की शपथ पढ़कर सुनाई। इस अवसर पर शहर अभियंता जमील पटेल, कर मूल्यांकन अधिकारी सुधीर गुरव, स्थापना विभाग प्रमुख दीपिका ठाकरे, शहर विकास अधिकारी समीर जवरे, वाहन प्रबंधक प्रशांत संख्ये, बारानिशी विभाग प्रमुख सुरेखा पावड़े सहित मनपा के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हूं, लोगों से मिलने-जुलने से बचने की सलाह दी गई: संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गई हैं और उनका इलाज जारी है। साथ ही राउत ने कहा कि उन्हें लोगों से मिलने-जुलने से बचने की सलाह दी गई है।

राउत ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी उम्मीद जताई कि अगले साल तक उनका स्वास्थ्य अच्छा हो जाएगा। उन्होंने लिखा, आप सभी ने मुझे प्यार दिया और मुझ पर भरोसा किया। लेकिन मुझे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गई हैं और मैं इलाज करा रहा हूं। मैं इससे उबर जाऊंगा। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार,

मुझे बाहर न निकलने और सार्वजनिक स्थानों पर न जाने की सलाह दी गई है।

हालांकि, राउत ने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। सत्तारूढ़ भाजपा के कटु आलोचक और महाराष्ट्र में विपक्ष की मुखर आवाज, राज्यसभा सदस्य राउत रोजाना मीडिया से बातचीत करने के लिए जाने जाते हैं। एक नवंबर को निर्वाचन आयोग के खिलाफ विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन हैं, जिसमें राउत के भाग लेने की उम्मीद जताई गई थी।

मीरा भायंदर में संत ज्ञानेश्वर वारकरी भवन का हुआ उद्घाटन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड मीरा भायंदर के आध्यात्मिक इतिहास में आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री तथा स्थानीय विधायक प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक की पहल और संकल्पना से, शहर के भक्तों की लंबे समय से चली आ रही मांग आज पूरी हो गई। भव्य भक्ति स्थल संत ज्ञानेश्वर वारकरी भवन का उद्घाटन आज 31 अक्टूबर 2025 को ह.भ.पू. निवृत्ति महाराज देशमुख उर्फ इंदुरिकर महाराज की उपस्थिति में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस वारकरी भवन की इमारत दो मंजिला है और इस भवन पर कुल 2 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इस उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण ह.भ.प. निवृत्ति महाराज देशमुख उर्फ इंदुरिकर महाराज का सामाजिक जागरूकता कीर्तन रहा, जिसमें मीरा भायंदर शहर के हजारों वारकरी बंधु, अनेक भजन मंडल और कीर्तन प्रेमी बड़ी

श्रद्धा से उपस्थित हुए। रंगमंच भक्ति गीतों, ताल-मृदंग की ध्वनि और विट्ठल भक्ति की ध्वनि से गूंज रहा था। मंत्री प्रताप सरनाईक की संकल्पना से निर्मित यह वारकरी भवन, वारकरी समाज के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक तीर्थस्थल है। उद्घाटन समारोह के दौरान, मंत्री सरनाईक ने कहा, भक्ति, संत परंपरा और सामाजिक ज्ञान का संगम यह वारकरी भवन पूर्वजों की कृपा से निर्मित भक्ति का मंदिर है। वारकरी संप्रदाय महाराष्ट्र की संस्कृति का प्राण है। संत ज्ञानेश्वर महाराज के नाम पर निर्मित यह भवन भक्ति, सेवा और संस्कृति का केंद्र बनेगा और मीरा भायंदर का गौरव बढ़ाएगा। मुझे गर्व है कि शहर के वारकरी बंधुओं की दशकों पुरानी मांग पूरी हुई है। मीरा भायंदर के आध्यात्मिक विकास में आज से एक नया अध्याय शुरू हुआ है। इस भवन में भजन, कीर्तन, प्रवचन, संत साहित्य के अध्ययन के साथ-साथ वार्षिक धार्मिक कार्यक्रमों के लिए एक आधुनिक सभागार की सुविधा है। कीर्तन गायकों, प्रचारकों और वारकरी युवाओं की नई पीढ़ी को यहां से प्रेरणा, मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिलेगा।

विधायक कुमार के प्रयासों से शहाड़ पुल पर डामरीकरण का कार्य 3 नवंबर से होगा शुरू

- निश्चित समय पर बड़े वाहनों की आवाजाही रहेगी बंद
- छोटे वाहनों के लिए एक लेन रहेगा शुरू
- बीस दिनों में पूर्ण होगा शहाड़ पुल की सड़क का काम

चेतन निर्मल संवाददाता

उल्हासनगर। विधायक कुमार आयलानी के सतत प्रयासों से जल्द ही शहाड़ ब्रिज की सड़क का काम आगामी 3 नवंबर से शुरू होने जा रहा है, पुल की खराब स्थिति को लेकर कई बार बैठक हुई जिसके बाद पुल की बेयरिंग बदलने का काम 13 अक्टूबर को पूरा हो गया लेकिन दीवाली के त्यौहार को देखते हुए शहर के व्यापारियों व खरीददारों को परेशानी न हो इसके लिए सड़क के काम मे थोड़ा समय लिया गया।

3 नवंबर से 23 नवंबर के बीच बीस दिन में शहाड़ ब्रिज की सड़क का काम पूर्ण हो जाएगा इसके लिए ट्रैफिक विभाग के पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट से अनुमति मांगी गई थी जिसके लिए आज उनके द्वारा अनुमति पत्र जारी कर दिया गया। शहाड़ ब्रिज पर एक लेन चालू रहेगा जिस पर केवल ऑटो, बाइक व कार की आवाजाही की अनुमति होगी वहीं बड़े वाहन पूरी तरह से बंद रहेंगे ऐसा उल्हासनगर ट्रैफिक विभाग के निरीक्षक राजेश शिरसाट ने स्पष्ट किया है। विधायक कुमार आयलानी ने कहा कि हमने यह मांग की थी कि पुल से पहले का सड़क का पूरा मैटेरियल निकाल कर उसकी फिर से लेयरिंग करके रोड़ बनाया जाए जिससे सड़क ज्यादा वर्षों तक सुचारू बनी रहे और हाइवे व पीडब्ल्यूडी ने इसे मान्य करते हुए इसी तरह से सड़क निर्माण पर सहमति दी है।मालशेज से कल्याण की तरफ आने वाले वाहनों का डैम फाटा मुरबाड़ से प्रवेश बंद रहेगा पयार्यी मार्ग बदलापुर -नेवाली-मलंग रोड़-पत्री पुल कल्याण होगा। वहीं दहा गांव रायता में भी प्रवेश बंद रहेगा और पयार्यी मार्ग वाहोली गांव-मांजरली- नेवाली नाका- मलंग रोड़ पत्री पुल होगा।कल्याण से मुरबाड़ की तरफ जाने वाले वाहनों का दुगार्डी पुल से आगे प्रवेश बंद रहेगा जिसके लिए पयार्यी मार्ग गोविंदवाड़ी बायपास - पत्री पुल -चक्की नाका से नेवाली -बदलापुर होगा। कुमार आयलानी द्वारा नागरिकों से यह आह्वान किया गया है कि कृपया नागरिक इस कार्य मे सहयोग करें जिससे सड़क का कार्य समय पर पूर्ण हो सके।

नवी मुंबई में दुकान में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नवी मुंबई। नवी मुंबई के एक बाजार में स्थित एक दुकान में शुक्रवार सुबह आग लग गई। नगर नि कायके एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि वाशी स्थित एपीएमसी बाजार में सुबह लगभग नौ बजे लगी आग में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

नगर निकाय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख सचिन कदम ने बताया कि दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर भेजी गई और आग पर काबू पा लिया गया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता मार्च का हुआ आयोजन

पुलिस लाइन से विकास भवन तक निकला एकता मार्च, पटेल को श्रद्धांजलि स्वरूप जनपद में आयोजित हुआ रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम

पुलिस लाइन में मुख्य अतिथि डॉ.संगीता बलवंत जी उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता की दिलाई शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आज जनपद में ऐतिहासिक राष्ट्रव्यापी अभियान रन फॉर यूनिटी के अंतर्गत राष्ट्रीय एकता मार्च का भव्य आयोजन किया गया।

यह एकता मार्च प्रातः 8:00 बजे पुलिस लाइन से प्रारम्भ होकर लाइन बाजार, गांधी तिराहा, अम्बेडकर तिराहा होते हुए विकास भवन परिसर पर समाप्त हुई जहां पर स्थापित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की भव्य प्रतिमा और क्रान्ति स्तंभ पर उपस्थित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, आमजनमानस के द्वारा माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया गया। पदयात्रा के दौरान महात्मा गांधी तथा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया। इस दौरान परिसर में बनाए गए सेल्फी पॉइंट पर उपस्थित सभी के द्वारा सेल्फी ली गई। जिलाधिकारी ने मुख्य अतिथि सहित सभी विशिष्ट अतिथिगण को लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की स्मृति चिन्ह भेंट की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सांसद राज्यसभा (गाजीपुर) डॉ.संगीता बलवंत रही। इस ऐतिहासिक पदयात्रा में विधायक शाहगंज रमेश सिंह, विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा, विधायक मडियाहूं डॉ0 आर0 के0 पटेल, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिन्स, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राम अक्षयबर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, उपजिलाधिकारगण, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, परियोजना निदेशक, बेसिक

जौनपुर मनोरमा मौर्या, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती गीता बिन्द, पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ.कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर पुलिस अधीक्षक शहरी आयुष शिक्षा अधिकारी सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, पुलिस के जवान, एनसीसी के कैडेटस, बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के अध्यापकगण, समूह की बहनें एवं अधिक संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं और आमजनमानस की उपस्थिति रही।

पदयात्रा के दौरान शामिल सभी ने हाथ में तिरंगा झण्डा लेकर सरदार वल्लभ भाई पटेल अमर रहे, भारत माता की जय जैसे नारो से माहौल को राष्ट्रप्रेम और एकता की भावना से ओत प्रोत कर दिया।

सांसद राज्यसभा डॉ.संगीता बलवंत ने कहा कि आज लौहपुरूष वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जंयती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। सम्पूर्ण देश में रन फार यूनिटी का आयोजन किया जा रहा है, एक भारत श्रेष्ठ भारत के पथ पर चलना है यही सरदार वल्लभ भाई पटेल जी को सच्ची श्रद्वांजलि होगी।

जनप्रतिनिधिगण के द्वारा भारत को एक सूत्र में पिरोने में लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल जी के द्वारा दिये गये उल्लेखनीय योगदान का याद करते हुए कहा गया कि आज 150वीं जयंती के अवसर पर रन फार यूनिटी का उददेश्य से देश में एकता, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता का संदेश देना है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी जोकि नये भारत के वास्तुकार है, आज जनपद में उनकी जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने भारत को एकता के सूत्र में बांधन का कार्य किया है। जिलाधिकारी ने सरदार वल्लभभाई पटेल जी के चरणों में नमन करते हुए कहा कि आज उनके त्याग, बलिदान को याद करने के लिए रन फार यूनिटी कार्यक्रम भव्य रूप में आयोजित किया गया। जिसमें जनपद के जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण और आमजनमानस ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने विकसित भारत विकसित उ0प्र0 हेतु समर्थ पोर्टल पर आमजनमानस में सुझाव देने की अपील भी की। पुलिस लाइन में मुख्य अतिथि ने उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। कार्यक्रम के उपरान्त जिला प्रशासन के द्वारा मार्च में प्रतिभागियों में फल, पेयजल का वितरण किया गया।

इसी क्रम में जनपद के सभी तहसीलों, ब्लाकों में राष्टीय एकता दिवस के अवसर पर एकता मार्च निकाला गया। राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं समरसता के संकल्प के साथ यह आयोजन हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

बस की चपेट में दो की मौत, एक गंभीर

तेज रफ़्तार बनी मौत का कारण, पुलिस कब्जे में बस, ड्राइवर हिरासत में

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेज रफ़्तार ने फिर एक बार दो लोगों को काल के गाल में समा दिया जबकि एक युवक जिंदगी और मौत से लड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर शाम कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ताखापूरब निवासी 16 वर्षीय छात्र आकाश माली पुत्र स्व. जंगबहादुर उर्फ गोपी माली एवं ताखा पश्चिम निवासी 60 वर्षीय सीता राम पुत्र अवधू एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर जा रहे थे।की तभी विपरीत दिशा से आरही तेज रफ़्तार सवारियों से भरी बस ने अपने चपेट में ले लिया।उसके बाद एक 19 वर्षीय प्रिंस पुत्र रामभुवन निवासी निजमापुर को भी चपेट में ले लिया।जिसमे आकाश और सीताराम की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया हंगामा, चार थानों की पुलिस फोर्स तैनात

गयी।जबकि प्रिंस को घायल अवस्था मे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।जहां वह जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है।

घटना से मौके पर जुटे आक्रोशित ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया और बस को पकड़ लिया।साथ मे चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

सूचना मिलने पर चार थानों की पुलिस फोर्स घटनास्थल पर पहुंची और किसी तरह आक्रोशित ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया।

क्या कहा सीओ शाहगंज ने: इस सम्बंध में सीओ अजीत सिंह चौहान से पूछने पर उन्होंने कहा की बस को कब्जे में ले लिया गया हैं।चालक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है।दो शवो को पोस्टमार्टम हेतू जिला अस्पताल भेज दिया गया है।और आगे की कार्यवाई की जा रही है।

एकता की दौड़ में दौड़ा पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिवार

सरदार पटेल@150 के अवसर पर कुलपति ने दिलाई शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती सरदार पटेल@150 के उपलक्ष्य में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यह आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में मनाया गया। विश्वविद्यालय परिसर स्थित सरदार पटेल जी की प्रतिमा पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया और राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कुलसचिव केश लाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव बबिता सिंह, सरला सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. राजबहादुर यादव, प्रो. राजेश शर्मा ने पुष्पांजलि दी।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत की एकता, अखंडता और प्रशासनिक सुदृढ़ता की मजबूत नींव रखी। उनका जीवन सिखाता है कि दृढ़ संकल्प और कर्मनिष्ठा से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार से आग्रह किया कि सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं सरदार पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनें।

माल्यार्पण एवं शपथ ग्रहण के उपरांत कुलपति ने नव विकसित मियावाकी वन से ह्यएकता दौड़@150.(Run for Unity@150) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौड़ में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय नोडल अधिकारी डॉ. शशिकांत यादव एवं प्रभारी एनसीसी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डॉ .जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ .सुरेन्द्र कुमार सिंह, डॉ.आलोक गुप्ता, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अनुराग मिश्र, सुशील प्रजापति, संजय सिंह, डॉ.अवधेश कुमार मौर्य, स्वयंसेवक अभिनव कीर्ति पाण्डेय, सुमित सिंह, आनंद कुमार सिंह शामिल थे।

जन एकता यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, वर्षा में भी दिखा गजब का उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी नौजवान सभा के संस्थापक व पूर्व सांसद धनंजय सिंह, संरक्षक एमएलसी बृजेश सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को शहर में आयोजित जन एकता यात्रा में उमड़ा जनसैलाब एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। लगातार वर्षा के बावजूद लोगों में जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित यह यात्रा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता और भाईचारे का संदेश देने के उद्देश्य से निकाली गई।

सुबह से ही लोगों का हुजूम मोहम्मद हसन डिग्री कॉलेज परिसर में जुटने लगा। भगवान शिव के डमरू वादन से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। तत्पश्चात पूर्व सांसद धनंजय सिंह और विधानपरिषद सदस्य बृजेश सिंह ने सरदार पटेल तथा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर यात्रा का शुभारंभ किया। हजारों लोगों की

उपस्थिति में यह यात्रा अनुशासित रूप से शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई तिलकधारी कॉलेज स्थित महाराणा प्रताप व्यायामशाला तक पहुँची, जहाँ इसका समापन हुआ।

व्यायामशाला में प्रधानाचार्य सत्यप्रकाश सिंह ने पूर्व सांसद का स्वागत करते हुए उन्हें विशाल माला पहनाई और सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा, सरदार पटेल ने देश को अखंडता और एकता का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। हमें जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर एक भारतझश्रेष्ठ भारत के निर्माण में योगदान देना होगा।

वहीं एमएलसी बृजेश सिंह ने कहा, युवा वर्ग को सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

इस बीच यात्रा के कारण शहर में कई जगह जाम की स्थिति

उत्पन्न हो गई। पुलिस जाम से निपटने में हाँफती रही, वहीं बॉर्डर पर रोके गए कई लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। बाद में पूर्व सांसद के हस्तक्षेप से उन्हें प्रवेश मिला, लेकिन तब तक यात्रा समापन की ओर बढ़ चुकी थी। बावजूद इसके, कार्यक्रम ने एकता और सामाजिक सद्भाव का प्रभावशाली संदेश दिया।

कार्यक्रम का संचालन अनिल श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रमुख के.डी. सिंह, पूर्व प्रमुख गप्पू सिंह, पूर्व प्रमुख आशुतोष सिंह, प्रमुख विनय सिंह ,अमित सिंह टाटा,पुनीत सिंह, माँ सचिव राणा सिंह, जिलाध्यक्ष रत्नदीप सिंह, जयप्रकाश सिंह, शिवेंद्र सिंह,दुर्गेश सिंह सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2025 में पीयू की शानदार उपलब्धि

पीयू का मुख्य लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों को प्रोत्साहनः कुलपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने शोध और नवाचार के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता का परचम फहराते हुए प्रतिष्ठित नेचर इंडेक्स रैंकिंग 2025 में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। नेचर इंडेक्स एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शोध मूल्यांकन प्रणाली है। विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में तीसरा स्थान, भारत के सभी शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों में 158वां स्थान, केवल शैक्षणिक संस्थानों की श्रेणी में 129वां स्थान तथा रसायन विज्ञान के क्षेत्र में देशभर में 87 वां स्थान हासिल किया है।

यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की बढ़ती शोध क्षमता, गुणवत्तापूर्ण अकादमिक योगदान और अंतरराष्ट्रीय स्तर के उच्च श्रेणी के शोध जर्नल्स में प्रकाशित शोध पत्रों का परिणाम है। यह सम्मान शिक्षकों और शोधार्थियों के निरंतर परिश्रम, समर्पण और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने इस अवसर पर कहा कि ह्पूर्वांचल विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों को प्रोत्साहन देना और वैज्ञानिक नवाचारों में अपनी भागीदारी बढ़ाना है। शिक्षकों और शोधार्थियों की कठोर मेहनत और समर्पण से यह उपलब्धि संभव हुई है। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब विश्वविद्यालय नेचर इंडेक्स में शामिल हुआ है। भविष्य में हमारा लक्ष्य इस रैंकिंग को और बेहतर करना है।

कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में शोध गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, शोध अनुदान योजनाओं एवं राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सशक्त किया है। साथ ही, उद्योग जगत से साझेदारी कर शोध को व्यावहारिक समाधान में रूपांतरित करने की दिशा में भी सतत कार्यरत है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि न केवल संस्थान बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति का 40वां स्थापना दिवस धूमधाम से मना

- वक्ताओं ने महासमिति के इतिहास पर डाला प्रकाश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की समस्त मां लक्ष्मी पूजन समितियों की महासंस्था श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति (ट्रस्ट) का 40वां स्थापना दिवस बीती रात धूमधाम से मनाया गया। नगर के पालिटेक्निक चौराहे के पास स्थित एक होटल में आयोजित समारोह संस्थापक सदस्य डा. राम नारायण सिंह एवं संरक्षक रामजी जायसवाल की देख–रेख में वर्तमान अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में हुआ। सर्वप्रथम संस्थापक स्व. सुशील वर्मा एडवोकेट को नमन करते हुये उपस्थित विशिष्ट सदस्य चन्द्रशेखर निषाद बबलू, पूर्व अध्यक्ष लाल बहादुर यादव नैपाली, अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल, महासचिव संतोष यादव, संस्थापक पुत्र वैभव वर्मा ने महासमिति के इतिहास एवं वर्तमान पर प्रकाश डाला। वहीं सेवा भारती के अध्यक्ष अनिल साहू, अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय, पत्रकार अंकित जायसवाल, सम्पादक शुभांशू जायसवाल, नेवी में कार्यरत सुरेश साहू सहित अन्य वक्ताओं ने अपना विचार व्यक्त किया।

इस मौके पर आये लोगों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक आदर्श

श्रीवास्तव ने किया। साथ ही कहा कि महासमिति की यह पहल वास्तव में काफी सराहनीय है। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष राहुल सिंह, आशीष श्रीवास्तव, मुख्य लेखा परीक्षक कृष्णकान्त विश्वकर्मा कृष्णकान्त विश्वकर्मा, कार्यक्रम सचिव शिवा गुप्ता, शोभायात्रा प्रभारी अभिषेक अग्रहरि, कार्यक्रम सचिव सूर्य प्रकाश विश्वकर्मा, सहायक लेखा परीक्षक केतन गुप्ता, प्रजापति समाज के जिलाध्यक्ष राहुल प्रजापति सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विकास अग्रहरि ने किया। अन्त में सचिव वैभव वर्मा ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष दिलीप जायसवाल राजू, विसर्जन प्रभारी सत्यम प्रजापति, भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष अतुल गुप्ता, नीरज श्रीवास्तव, संगठन सचिव दीपक अग्रहरि, मनीष साहू, सह सचिव श्रेयश जायसवाल, कोषाध्यक्ष डा. आशुतोष सिंह, गीतांजलि अध्यक्ष नीरज शाह, कार्यकारिणी सदस्य प्रशांत कुकरेजा एडवोकेट, सुधांशू विश्वकर्मा, सुनील मौर्या सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गुरुद्वारा व सेवादार पर आपत्तिजनक अश्लील टिप्पणी को पुलिस ने लिया संज्ञान

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। सपा नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी राजू व संतोष चौधरी के खिलाफ नामजद केस दर्ज। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर सपा नगर अध्यक्ष चौधरी ने की थी अभद्र व अश्लील टिप्पणी। बीजेपी नेत्री मंजू सागर की शिकायत पर साइबर पुलिस की पुष्टि के बाद शहर कोतवाल धीरज कुमार ने दर्ज किया केस। सैकड़ों साल पुराने नानकशाही गुरुद्वारा लखनऊनाका परिसर को बेनामा कर बेचने के आरोप में भी दर्ज है पहले से सपा अध्यक्ष पर केस।

72 घंटे के अन्दर करे शिकायतः उप कृषि निदेशक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जनपद में खरीफ 2025 सत्र के दौरान खरीफ फसले अधिसूचित की गई हैं। जनपद के कुल 20095 किसानों ने अपनी खरीफ फसल का बीमा कराया है। हाल ही में आए मोन्था चक्रवात के कारण जिले में मध्यम से भारी वर्षा हो रही है, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचना स्वाभाविक है। इस स्थिति को देखते हुए उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय ने बीमित किसानों से अपील की है कि यदि उनकी फसल क्षतिग्रस्त हुई है तो वे क्षति की सूचना 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर अवश्य दें। उन्होंने बताया कि सूचना प्राप्त होने पर संयुक्त टीम (कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं बीमा कंपनी के प्रतिनिधि) द्वारा क्षति का सही आकलन किया जाएगा, ताकि प्रभावित किसानों को उचित क्षतिपूर्ति प्रदान की जा सके।

सद्भावना पुल व शास्त्री ब्रिज पर तत्काल लगाई जाय सुरक्षा जालियां: जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने सड़क सुरक्षा से जुड़े तमाम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सद्भावना पुल व शास्त्री ब्रिज पर सुरक्षा के दृष्टिगत जालियां अब तक न लगाए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित विभागों को तुरंत सुरक्षात्मक जाल लगाने का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने दिखाई सख्ती, अवैध कट व लापरवाही पर होगी एफआईआर

डीएम ने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध कट बनाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि टोल प्लाजा से 20 किलोमीटर की परिधि में आने वाले गांवों के नाम स्पष्ट रूप से अंकित कराए जाएं तथा सड़क किनारे रिफ्लेक्टर लगाए जाएं ताकि रात्रिकालीन दुर्घटनाओं की संभावना को रोका जा सके।

मानक के अनुसार हो कार्य, लापरवाही पर कार्रवाई तयः जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक, एनएचआई को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित किए जाएं। रोड सेफ्टी ऑडिट न कराए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मड़ियाहूं हाईवे के सभी अवैध कट दिसंबर माह तक पूर्ण रूप से बंद कर दिए जाएं। साथ ही सेंट पैट्रिक स्कूल के सामने स्थित ब्लैक स्पॉट पर जल्द सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ किया जाए। डीएम ने एनएचआई की सड़कों पर बारिश के बाद उगी झाड़ियों को तत्काल हटवाने का भी निर्देश दिया, ताकि दृश्यता बनी रहे और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (भू-राजस्व) अजय अंबष्ट, तथा सड़क सुरक्षा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मियों को राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए दिलाई गई शपथ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा पुलिस कार्यालय पर पुलिसकर्मियों को राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए दिलाई गई शपथ, आज दिनांक 31.10.2025 को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर पुलिस कार्यालय जौनपुर में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुलिसकर्मियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी उपस्थित पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक और पुलिसकर्मी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी को संवेदनशीलता, अनुशासन और पेशेवर ईमानदारी के साथ कर्तव्यों का पालन करने का संदेश दिया। शपथ ग्रहण समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, आतिश कुमार सिंह, स0पु0अ0/क्षेत्राधिकारी नगर, गोल्डी गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा पुलिसकर्मीगण उपस्थित रहे। सभी ने संयुक्त रूप से देश की सेवा और सुरक्षा में अपने कर्तव्य का पालन करने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिलाई शपथ

चिराना। निकटवर्ती पुरोहितों की ढाणी के राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर संकुल अधिकारी एवं प्रधानाचार्य महावीर प्रसाद ने सभी विद्यार्थियों एवं शाला स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों के मौके पर उपस्थित अभिभावकों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। आज विद्यालय में पेरेंट्स टीचर मीटिंग का भी आयोजन रखा गया जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावक को सहित एसएमसी अध्यक्ष बनवारी लाल जांगिड़ सहित कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। इस मौके पर प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों के अभिभावकों को अब तक हुई विद्यालय विकास एवं विद्यार्थियों की प्रगति रिपोर्ट के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों के लिए स्पेशल डाइट का आयोजन भी किया गया इस दौरान शिक्षक संतोष कुमार कुमावत,प्राध्यापक प्रदीप कुमार शर्मा,रिंकू कुमारी,मुकेश कुमार, मनीष कुमार,पूजा पारीक,मुकेश कुमार बसवा,जयप्रकाश श्रवण कुमार जांगिड़,गायत्री रेगर व रेणु कुमारी सहित पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

आशीर्वाद माइक्रोफाइनेंसने मनोज पासंघा को सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया

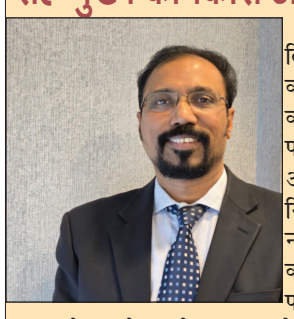

मुंबई। आशीर्वाद माइक्रोफाइनेंस लिमिटेड, एक अग्रणी माइक्रोफाइनेंस कंपनी और मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड की सहायक कंपनी जेरार्ड डेविड मनोज पासंघा को अपने सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सह-सीईओ) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। अपनी नई भूमिका में मनोज पासंघा आशीर्वाद की विस्तार रणनीति का नेतृत्व करेंगे, परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ाएँगे और उत्पाद पेशकशों एवं सेवा वितरण में नवाचार को बढ़ावा देंगे।

आज मनती जाएगी देव उठनी एकादशी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देव उठनी एकादशी या प्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है। यह तिथि इस वर्ष 1 नवंबर शनिवार को मनाई जा रही है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीहरि विष्णु चार महीने के योगनिद्रा से जागृत होकर पुनः सृष्टि के कार्यों का संचालन आरंभ करते हैं। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शहर के जरती माई मंदिर के पुजारी आचार्य सुरेंद्र तिवारी ने बताया की चातुर्मास के चार महीने आषाढ़ शुक्ल एकादशी से कार्तिक शुक्ल एकादशी तक भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं। इस अवधि में विवाह, मांगलिक कार्य, गृह प्रवेश आदि शुभ कार्यों पर विराम लगा रहता है। देव उठनी एकादशी को भगवान के जागरण के साथ ही सभी शुभ कार्यों की पुनः शुरूआत मानी जाती है। कहा जाता है कि इस दिन व्रत करने से व्यक्ति को वही फल प्राप्त होता है जो हजारों यज्ञ करने से मिलता है। यह व्रत मोक्ष दायी माना गया है और इसके पालन से पापों का नाश होता है। देव उठनी एकादशी के दिन प्रातः स्नान कर भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। शंख, चक्र, गदा, पद्म से सुसज्जित विष्णु भगवान को तुलसी दल अर्पित किया जाता है। विशेष रूप से तुलसी विवाह का आयोजन किया जाता है, जिसमें तुलसी माता का विवाह भगवान शालीग्राम से कराया जाता है। यह प्रतीकात्मक रूप से शुभता, पवित्रता और नए आरंभ का संदेश देता है। उन्होंने ने बताया कि जागरण कर भजन-कीर्तन किए जाते हैं और भगवान को जगाने के लिए दीप प्रज्वलित कर उठो देव उठों' का संकीर्तन किया जाता है। देव उठनी एकादशी केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था के जागरण का प्रतीक है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी के लिए पुलिस ने लगाई दौड़

कैराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति) । लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस मौके पर कोतवाली प्रांगण में क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार रजक के नेतृत्व में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ के साथ हुई, जिसमें क्षेत्राधिकारी ने सभी पुलिसकर्मियों को एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई। रन फॉर यूनिटी कोतवाली प्रांगण से शुरू होकर कोतवाली चौराहा, सराय वीरू चौराहा, हनुमान मंदिर होते हुए तहसील तक पहुंची और पुनः थाना परिसर में समाप्त हुई। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक राम सिंह, हेड कांस्टेबल रणजीत सिंह, रवि सिंह, कांस्टेबल मिथिलेश राजभर सहित समस्त थाना स्टाफ उत्साहपूर्वक शामिल रहा। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्र की एकता, अखंडता और समरसता का संदेश दिया गया।

जमीनी विवाद को लेकर पत्रकार के साथ हुआ मारपीट, व मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । मछलीशहर थाना क्षेत्र के मोलनापुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी करुणाकर द्विवेदी ने थाना मछली शहर में तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि बृहस्पतिवार की शाम स्थानीय निवासी कैलाश विश्वकर्मा, मेवा लाल विश्वकर्मा ये लोग गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 352, 351(3), के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मछली शहर के थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बाबा विश्वनाथ मंदिर से गूंजा एकता का स्वर, नमामि गंगे ने दिया जन -जन को स्वच्छता और राष्ट्रभक्ति का संदेश

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम राष्ट्रभक्ति और एकता के स्वर से गूंज उठा। नमामि गंगे काशी क्षेत्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने राष्ट्रीय एकता को जन-जन का संकल्प बनाने का संकल्प लिया ' विश्वनाथ धाम परिसर में स्थित भारत माता की प्रतिमा के समक्ष बुजुर्गों, युवाओं, बच्चों और माताओं ने हर-हर महादेव के जयघोष के बीच एक स्वर में राष्ट्रीय एकता का उद्घोष किया। इस अवसर पर लोगों को स्वच्छता और एकता के प्रति जागरूक करते हुए यह संकल्प दिलाया गया कि देश की अखंडता और सांस्कृतिक एकता को सशक्त बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक एवं नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को जोड़ने वाला पर्व है। उन्होंने कहा कि देशप्रेम, स्वच्छता और एकता को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ना हर नागरिक का कर्तव्य है। यह दिवस देश की संप्रभुता, शांति और अखंडता को बनाए रखने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प के साथ यह संदेश दिया कि विविधता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सरदार पटेल को नमन करते हुए कहा कि लौहपुरुष के आदर्शों पर चलकर ही सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय एकता साकार हो सकती है। इस अवसर पर शगुन मिश्रा, आशुतोष सिंह, बल्लभदास गुजराती, सुचिता नागर, भोला यादव सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। काशी विश्वनाथ धाम से निकला यह एकता और स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचने का संकल्प बनता चला गया।

एल.सी. सिंह की किताब द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स हुई लॉन्च

मुंबई। जाने-माने टेक्नोलॉजिस्ट, कॉपोरेट लीडर और कहानियाँ बयां करने में माहिर, एल.सी. सिंह ने आज नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में अपनी पहली किताब, द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स लॉन्च की। दिशानेक्स्ट द्वारा प्रकाशित यह किताब एमेजॉन, फ्लिपकार्ट और देश भर के सभी चुनिंदा बुकस्टोर्स पर उपलब्ध है।

इस आयोजन में कला, शिक्षा और व्यवसाय जगत की उन जानी-मानी हस्तियों ने भाग लिया, जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने वाले एल. सी. सिंह के सफर में उनके सहयोगी रहे हैं। 'द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स' की शुरूआत में ही यह बताया गया है कि जीवन की पहली लौ कैसे जगी, कैसे उसने खुद को कई गुना बढ़ाया, पहचान बनाई और फिर जीवन के मायने बनाए रखने के लिए ईश्वर, समय और अह जैसे विचारों का निर्माण किया। बेहद खूबसूरत कहानी की तरह लिखी गई और अनमोल दार्शनिक विचारों से भरी यह किताब हमें इकोटाइम से अवगत कराती है – यह इंसानी जज्बातों की ऐसी घड़ी है, जो बताती है कि दिल टूटने का एहसास एक दशक से भी ज्यादा लंबा क्यों लग सकता है, और सुकून भरी जादू की झप्पी एक पल की तरह क्यों महसूस होती है। यह किताब बताती है कि, किस तरह तनाव से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया तेज होती है और प्यार कैसे उसमें सुधार लाता है।

यह किताब जवाब देने की कोशिश नहीं करती। इसके बजाय, यह उन सभी चीजों को आईना दिखाती है जिन्हें हम सच मानते थे, और उसे गहराई से सोच-विचार एवं जिज्ञासा के जरिए वास्तविकता को हमारे सामने लाती है। यह किताब पचास सालों के अध्ययन और चिंतन पर आधारित है। यह ज़िंदगी के वजूद, सिस्टम्स थीअरी, विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में एल.सी. सिंह के लंबे समय तक अध्ययन से प्रेरित है। यह किताब अचानक मिले ज्ञान के बाद नहीं लिखी गई है, बल्कि यह इस बात पर किए गए सालों के गहरे अध्ययन पर आधारित है कि हम कौन हैं, हमारा वजूद क्यों जरूरी है और हमारी पसंद तथा नापसंद के पीछे की वजह क्या है। एक टेक्नोलॉजिस्ट, फोटोग्राफर और लेखक होने के साथ-साथ फिल्म 'बनारसः ए मिस्टिक लव स्टोरी' (2006) के निर्देशक एवं निमार्ता के रूप में, उनके सफर का दायरा दूरदराज के गाँवों से लेकर दुनिया भर के बोर्डरूम तक, हार्वर्ड से बनारस तक, और विज्ञान से मौन तक विस्तृत है। वे जीवन भर ज्ञान और अस्तित्व के सिद्धांत का अध्ययन करते रहे हैं। द कोलैप्स ऑफ इल्यूजन्स के लेखक, एल.सी. सिंह कहते हैं, टेक्नोलॉजी और कामयाबी से हटकर, हमारी असल पहचान तो हमारे जज्बात ही हैं। ये जज्बात ही हमारे फैसलों को राह दिखाते हैं, हमारे भीतर हमदर्दी का भाव जगाते हैं और हमें इंसान बनाते हैं। यह किताब हमें बस यही समझाती है। एल.सी. सिंह पाठकों के साथ आगे जो विचार साझा करने वाले हैं, यह उसी श्रृंखला की पहली कड़ी है। अकादमिक, रचनात्मक और डिजिटल माध्यमों से इस किताब का प्रचार आगे भी जारी रहेगा और आने वाले समय में इसके मूल विचारों पर बातचीत के लिए चर्चाएँ आयोजित की जाएँगी।

बोरीवली में नव विकसित नाट्यगृह को नाटककार गंगाराम गवाणकर नाट्यगृह नाम दिया जाए: गोपाल शेट्टी

मुंबई। उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त भूषण गगराणी को पत्र लिखकर मांग की है कि बोरीवली (पश्चिम), आर-मध्य विभाग अंतर्गत द्वारकेश पार्क के पास नव विकसित नाट्यगृह को दिवंगत नाटककार गंगाराम गवाणकर का नाम दिया जाए । जनसेवक गोपाल शेट्टी ने पत्र में संवेदना और दुःख प्रकट करते हुए उल्लेख किया है कि मुंबई के सुप्रसिद्ध नाटककार, निर्देशक और लेखक गंगाराम गवाणकर का 27 अक्टूबर 2025 को निधन हो गया। वे कई वर्षों तक दहिसर (पूर्व) में निवास करते थे। वे सिर्फ नाटककार ही नहीं थे, बल्कि वे सामान्य मराठी व्यक्ति के भावनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले संवेदनशील कलाकार थे। उनके लेखन में कोकणी-मालवणी संस्कृति की सुगंध, स्थानीय लोगों के जीवन की वास्तविकता और मानवता का स्पर्श हमेशा महसूस होता था। उन्होंने नाट्य लेखन के माध्यम से समाज के सामान्य वर्ग की आवाज को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। मुंबई में, विशेष रूप से उप नगरों में मराठी रंगमंच के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। कई नए कलाकारों को उन्होंने मंच प्रदान किया और स्थानीय सांस्कृतिक संस्थाओं को मार्गदर्शन भी दिया। उनके नाटकों ने दहिसर-बोरीवली क्षेत्र के सांस्कृतिक जीवन को नई ऊर्जा दी। ऐसे महान नाट्यकर्मयोगी की स्मृतियों को संरक्षित करने और नई पीढ़ी को प्रेरित करने के उद्देश्य से, बोरिवली (पश्चिम), आर-मध्य विभाग के द्वारकेश पार्क के पास विकसित नाट्यगृह को दिवंगत नाटककार गंगाराम गवाणकर नाट्यगृह नाम देने का मेरा अनुरोध है।

लौह पुरुष की जयंती पर दौड़ी काशी, बीएचयू से लेकर मलदहिया तक गूंजा एकता का संदेश

सुरेश गांधी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर शुक्रवार की सुबह में जब सूरज की किरणें मलदहिया चौराहे की लौह प्रतिमा पर पड़ीं, तो मानो देश की एकता का तेज वहां झिलमिला उठा।

या यूं कहे पूरी काशी एकता की भावना से सराबोर हो उठी। राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर शहर के हर कोने में देशभक्ति का उल्लास उमड़ पड़ा। सुबह से ही बीएचयू से लेकर मलदहिया, सिगरा, लंका और शिवपुर, जिलाधिकारी कार्यालय, रेलवे स्टेशन, विद्यालयों और कॉलेजों तक रन फॉर यूनिटी के जयघोष गूंजते रहे। इस दौरान जगह-जगह एकता दौड़ और प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किए गए। एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड और शिक्षण संस्थानों के छात्रों ने हाथों में तिरंगा लेकर ह्यराष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ ली।

बीएचयू ट्रामा सेंटर से सुबह 6 बजे रन फॉर यूनिटी मार्च निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ शामिल हुए। नगर निगम और जिला प्रशासन की ओर से भी शहर के प्रमुख चौराहों पर एकता प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें सरदार पटेल के जीवन और उनके देशनिर्माण के योगदान को प्रदर्शित किया गया। प्रदेश के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने मलदहिया चौराहा स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने स्वयं रन फॉर यूनिटी में भाग लिया। उनके साथ महापौर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या,

एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश सिंह, टी. राम, डॉ. नीलकंठ तिवारी समेत कई जनप्रतिनिधि दौड़ में शामिल हुए। रवीन्द्र जायसल ने कहा, सरदार पटेल ने जिस अदम्य इच्छाशक्ति और राष्ट्रनिष्ठा से भारत की रियासतों को एक सूत्र में जोड़ा, वही आज हमारी एकता की रीढ़ है। उनका जीवन हमें बताता है कि जब संकल्प दृढ़ हो, तो बिखराव भी समरसता में बदल जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से 31 अक्तूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, ताकि हर पीढ़ी यह स्मरण रखे कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में निहित है। इस वर्ष दिवस की थीम ह्यएक भारत, आत्मनिर्भर भारत रखी गई है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने विधायक निधि से 9 लाख 62 हजार की लागत से निर्मित लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल स्मृति द्वार का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मौजूद जनसमूह ने भारत माता की जय और सरदार पटेल अमर रहें के नारे लगाकर माहौल को राष्ट्रभक्ति से भर दिया। बीएचयू ट्रामा सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी प्रोफेसर सौरभ सिंह ने डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ सहित अन्य कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने की दिशा में कार्य करते रहने की शपथ दिलाई। कहा कि जिस तरह से राष्ट्र निर्माण में एकता और अनुशासन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उसी तरह स्वास्थ्य सेवाओं में भी इन मूल्यों का पालन करना जरूरी होता है.

सरदार वल्लभभाई पटेल केवल स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री नहीं थे, बल्कि वे राष्ट्र की आत्मा के मूर्तिकार थे। उन्होंने जिस दृढ़ता से रियासतों को जोड़कर अखंड भारत की नींव रखी, वही आज के भारत की एकता का आधार है। उनके विचार बताते हैं कि राष्ट्र का सामर्थ्य केवल उसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता, परस्पर विश्वास और समरसता में निहित है। जब भारत आत्मनिर्भर और संगठित होगा, तभी वह सशक्त भी होगा, यही है सरदार पटेल की विरासत का सार।

बारिश ने किसानों की तोड़ी कमर,प्राकृतिक आपदाओं से निराशा किसान

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में दो दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में कटाई के लिए तैयार धान की फसल लगातार बारिश से भींगकर खराब हो रही है। इस बेमौसम की वर्षा ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। वारिश से प्रखंड के किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। किसानों के धान की फसल कटनी शुरू की ही थी कि बारिश ने उम्मीद खत्म कर रही है। खेतों में कटे धान का बोझा खुले आसमान के नीचे पड़ा है, जो लगातार भीगने से सड़ने लगा है। किसान राजेश्वर प्रसाद यादव और रमेश यादव ने बताया कि वे किसी तरह जल्दबाजी में हेडंबा थ्रेशर लगाकर धान निकालने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि घर के लिए कुछ अनाज बचा सकें। लेकिन

लगातार नमी और धूप न निकलने से सुखाने का काम मुश्किल हो गया है। कई जगहों पर कटे धान में अंकुर फूटने लगे हैं, जिससे वह बाजार में बेचने योग्य नहीं रह गया है। किसान सुरेश प्रसाद यादव ने बताया कि पिछले साल बारिश नहीं होने से नुकसान हुआ था, लेकिन इस बार बारिश से तैयार फसल बर्बाद हो रहा हैं किसानों का कहना है कि इस बारिश ने मजदूरी तक चौपट कर दी है। धान कटवाने में जितना खर्च हुआ, उतना भी अब निकल पाना मुश्किल है। किसानों ने कृषि विभाग से मुआवजे की मांग की है।

मतदाता पर्ची के माध्यम से मतदान में होगी आसानी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में 6 नवंबर से होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता पर्ची बीएलओ द्वारा घर-घर वितरण किया जा रहा है। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न बीएलओ द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में मतदाता पर्ची का वितरण घर-घर जाकर किया जा रहा है। जिससे बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान 6 नवंबर को मतदाताओं को मतदान करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। मतदाता पर्ची पर मतदाता का मतदान केंद्र के साथ-साथ अन्य सारी आवश्यक जानकारी उपलब्ध है। जिसके माध्यम से मतदाता अपने आईडी प्रूफ के साथ मतदान केंद्र पर पहुंचकर कर सकेंगे। चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार मतदाताओं के सुविधा का ख्याल रखा जा रहा है। जिससे अधिक से अधिक मतदाता मतदान किया जा सके।

महाराजगंज प्रखंड क्षेत्र में 174 मतदान केंद्र है, जिसके लिए ड्यूटी पर 174 बीएलओ को भी लगाया गया है। जानकारी देते हुए अरेराज बीडीओ बिंदु कुमार ने बताया कि सभी बीएलओ को निर्धारित समय सीमा तक मतदाता पर्ची का वितरण घर-घर जाकर करने का निर्देश दिया गया है। मतदाता पर्ची के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने में सहूलियत होगी।

ज्ञानोदय परिषद का आदि काशी व्याख्यान व संवाद कार्यक्रम

लाल शेखर सिंह

वाराणसी (उत्तर शक्ति) वाराणसी 2 नवम्बर ₹आओ गायें रामकथा घर-घर में इस आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता रामकथा के सुप्रसिध्द वक्ता पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज की अध्यक्षता में ज्ञानोदय परिषद द्वारा बी. एच. यू. चिकित्सा विज्ञान संस्थान में स्थित के. एन. उडप्पा सभागार में आदि काशी व्याख्यान व संवाद के अंतर्गत समग्र भारतीय दर्शन की महिमा₹विषय पर व्याख्यान संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है ।कार्यक्रम का प्रथम सत्र दोपहर 2 से साँय 4 बजे तक, द्वितीय सत्र सांय 4 से 6 बजे पूर्ण होगा। कार्यक्रम सम्पन्न होने के बाद गंगा के अस्सी घाट पर साँय 6.30 से 7तक भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शासन की राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव हैं।आदि काशी संवाद व्याख्यान कार्यक्रम में अखिल भारतीय संत समिति गंगा महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेन्द्रानंद सरस्वती महाराज,सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय काशी के आचार्य ज्ञानेंद्र सापकोटा,प्राकृतिक चिकित्सा एवं ध्यानयोग विशेषज्ञ आचार्य मनीष और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय भी आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लेंगे।

ज्ञानोदय परिषद के तत्वावधान में आयोजित इस संवाद-व्याख्यान कार्यक्रम के आयोजक उत्तर प्रदेश भाजपा युवामोर्चा के पूर्व अध्यक्ष आशुतोष कुमार राय व सह-आयोजक काशी हिन्दू विश्व विद्यालय के भू-भौमिकी विभाग के प्रोफेसर राजीव भाटला और काशी हिन्दू विश्व विद्यालय में कार्यालय प्रबंधक एवं सचिव कला संकाय प्रोफेसर रत्नशंकर मिश्र हैं।गौरतलब है कि ज्ञानोदय परिषद के प्रमुख संरक्षक पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज की अध्यक्षता में ₹समग्र भारतीय जीवन दर्शन की महिमा पर आधारित₹आदि काशी व्याख्यान व संवाद₹ का यह एक दिवसीय कार्यक्रम होगा।

ओसवाल नगरी नर्मदेश्वर शिव मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा 3 से

प्रेम चंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति) धर्म शक्ति और अध्यात्म का समागम पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक बार फिर नालासोपारा ओसवाल नगरी में देखने को मिलेगा यह आयोजन शिव शक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में 3 नवंबर से 9 नवंबर 2025 तक सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन श्री नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर ओस्तवाल नगरी में किया जा रहा है । नालासोपारा पूर्व स्थिति ओसवाल धर्म नगरी नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर पर श्री मद्भागवत कथा का आयोजन शिव मंदिर के पुजारी पंडित कुलदीप गोस्वामी के अथक प्रयासों से किया जा रहा है। यह आयोजन भगवान शिव व ओसवाल धर्म नगरी के सह परिवार द्वारा किया जा रहा है।कथा संरक्षक भगवान शिव होगें । सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार व हिंदू धर्म की रक्षा हेतु आयोजित सार्वजनिक संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ नालासोपारा पूर्व में ओसवाल नगरी जिसे आज धर्मसार नगरी भी कहा जाता है, इस धर्म नगरी में वृंदावन की कथा वाचक साध्वी भाग्यश्री देवी जी ने अपने मुखारविंद से अमृत रुपी वर्षा करेंगी । सभी शिव भक्तों से निवेदन है कि ठीक समय पर पधार कर श्री मद्भागवत कथा को सफल बनाएं। श्री मद्भागवत कथा का शुरूआत सोमवार दिनांक 3 नवंबर 2025 को शोभा कलशयात्रा दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगा। उसी दिन शाम 3 : 30 बजे से 8 बजे के बीच श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सात दिवसीय कार्यक्रम का श्री गणेश भी होगा । कथा का पूणार्हुति 10 नवंबर 2025 दिन सोमवार को महाप्रसाद(भंडारे) के साथ संपन्न होगा।

गरिमा ने हिंदी अंताक्षरी में बाजी मारी

चिराना (उत्तरशक्ति)। कस्बे के निकटवर्ती बागोरिया की ढाणी स्थित चिराना शिक्षण संस्थान में एकता दिवस के अवसर पर हिंदी अंताक्षरी का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के बच्चों ने अच्छी तैयारी के साथ भाग लिया और अपनी बुद्धिमता का परिचय दिया।आयोजित इस कार्यक्रम में सबसे ज्यादा 15 अंक हासिल कर गरिमा सैनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तो वही हिमांशु सैनी ने 13 अंक अर्जित कर दूसरे स्थान पर अपना नाम दर्ज करवाया,नवीन कुमार तीसरे स्थान पर रहा।प्रतियोगिता में प्रिंस गुर्जर को प्रयास अच्छा रहा जिसको सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम महावीर इंटरनेशनल वीर बहुजन सेवा केंद्र के तत्वावधान में किया गया जिसके आयोजनकर्ता अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमावत ने सभी विजेताओं को मोमेंटो प्रदान कर पुरस्कृत किया और मोटिवेशनल स्पीच देकर बच्चों का हौसला बढ़ाया इस मौके पर डॉ.कुमावत ने कहा कि शीघ्र ही एक निबंध प्रतियोगिता भी यहां करवाई जाएगी जिसमें प्रथम विजेता को सिल्वर मेडल से नवाजा जाएगा। इस दौरान विद्यालय के संचालक ओम प्रकाश सैनी, प्रधानाध्यापिका सुनीता सैनी, वरिष्ठ अध्यापक सुरेश कुमार सैनी, सूरजभान सैनी, विजय कुमावत,महेश सैनी, सुलोचना नेमीचंद सैनी,आशा सैनी, संजू सुमन, सरिता, निष्ठा व ममता सहित सभी स्टाफ उपस्थित रहा।

भारत ने अपनी बढ़ती समुद्री ताकत को हिंद-प्रशांत देशों के समक्ष प्रस्तुत किया

मुंबई। भारत ने 30 अक्टूबर को यहां पहले ह्यक्वाड पोर्ट्स ऑफ द फ्यूचर सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें 24 हिंद-प्रशांत देशों के 120 प्रतिनिधियों ने लचीले, सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार बंदरगाहों के निर्माण के तरीकों पर चर्चा की। यह वार्ता समुद्री क्षेत्र के लिए एक साझा क्वाड दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रही। इस अवसर पर भारत ने अपनी बढ़ती समुद्री ताकत को हिंद-प्रशांत देशों के समक्ष प्रस्तुत किया और भविष्य के बंदरगाहों के मजबूत बुनियादी ढांचे तथा सुरक्षा एवं स्थिरता पर सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ₹विषयगत पैनल चर्चा लचीले, सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार बंदरगाहों के लिए एक साझा क्वाड दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी, जिसमें बुनियादी ढांचे, वित्तपोषण, नियामक ढांचे, कार्यबल विकास, प्रौद्योगिकी, डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र, साइबर सुरक्षा एवं स्थिरता पर सहयोग को मजबूत करना शामिल है।

भारत की बढ़ती समुद्री ताकत पर अपने विचार साझा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर एक पोस्ट में कहा कि भारत अपनी लंबी तटरेखा, रणनीतिक व्यापार मार्गों और महत्वाकांक्षी ब्लू इकोनॉमी विजन के साथ निवेश के लिए एक आदर्श बंदरगाह प्रदान कर सकता है। वैश्विक समुद्री उद्योग के दिग्गजों को भारत में आने और निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ₹हमारे पास एक बहुत लंबी तटरेखा है। हमारे पास रणनीतिक वैश्विक व्यापार मार्ग, विश्वस्तरीय बंदरगाह और नीली अर्थव्यवस्था के विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण है। हमारे पास बुनियादी ढांचा, नवाचार और इरादे हैं। हमारे युवाओं की बदौलत हमारा पारिस्थितिकी तंत्र नवाचार के लिए तैयार है।

पीएम मोदी के अनुसार, एक दशक पहले जब उन्होंने पदभार संभाला था, तब भारत का समुद्री क्षेत्र ₹पुराने कानूनों और सीमित क्षमताओं₹ से भरा हुआ था, जबकि आज यह क्षेत्र आधुनिक बुनियादी ढांचे, वैश्विक विश्वास और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में परिवर्तित हो गया है। प्रधानमंत्री ने पुष्टि की कि इन वर्षों में भारत की बंदरगाह क्षमता 1,400 एमएमटीपीए से दोगुनी होकर 2,762 एमएमटीपीए हो गई है। कार्गो हैंडलिंग 972 एमएमटी से बढ़कर 1,594 एमएमटी हो गई है, जिसमें वित्त वर्ष 2024-25 में 855 एमएमटी शामिल है। भारत समुद्री सप्ताह 2025 के भाग के रूप में 29 अक्टूबर को मुंबई में मैरीटाइम लीडर्स सम्मेलन में भाग लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, ₹पिछले 11 वर्षों में भारत के समुद्री क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव आया है। हमें गर्व है कि आज हमारे बंदरगाह दुनिया के सबसे कुशल बंदरगाहों में विकसित हो रहे हैं। हमें साथ मिलकर शांति, प्रगति और समृद्धि की ओर बढ़ना है और एक सतत भविष्य का निर्माण करना है।

प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल ने लिया स्थिति का जायजा

सुलतानपुर। जनपद सुलतानपुर स्थित जयसिंहपुर ब्लॉक के ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल ने शुक्रवार को ग्राम सभा अमिलिया सिकरा पहुंचे, जहाँ प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्री वॉल पर आकस्मिक रूप से पेड़ गिरने की सूचना मिली थी। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। ब्लॉक प्रमुख ने बिजली विभाग के एक्सईएन संजय यादव से बात कर बिजली व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) एस.एन. चतुर्वेदी से वार्ता कर सफाई कर्मचारियों की टीम लगवाने और विद्यालय परिसर की संपूर्ण सफाई करवाने का आदेश दिए। तत्पश्चात विद्यालय परिसर में आयोजित सरदार बल्लभ भाई पटेल के जयंती के उपलक्ष्य में उनके चित्र पर मालार्पण किया गया इस अवसर पर प्रधानाचार्य चंद्रकुमार तिवारी, सुभाष चंद्र, सुरेंद्र कुमार, बबलू सिंह, हैप्पी सिंह, जयप्रकाश वर्मा, प्राथमिक शिक्षा संघ अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ अध्यक्ष शिवकुमार गौड़, प्रधान प्रतिनिधि शशिकांत यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य संदीप दुबे, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि नवीन सिंह, अमित शुक्ला,अमित तिवारी, आकाश दुबे,अमित शुक्ला सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नगर निगम के संबंधित इंजीनियरों और कर्मचारियों को नोटिस जारी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका मुख्यालय में 30 अक्टूबर 2025 को आयुक्त कार्यालय के निकट स्थित हॉल में सभी पक्षों ने आरएमसी के संबंध में एक बैठक की। बैठक में पाया गया कि पूर्व महापौर श्रीमती ज्योत्सना हसनाले को पीने के लिए दिया जाने वाला पानी दूषित था। उन्होंने मीडिया के माध्यम से इसकी शिकायत की थी। मीरा भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त एवं प्रशासक राधा बिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित शाखा अभियंताओं, कनिष्ठ अभियंताओं और सिपाहियों को तुरंत नोटिस जारी किया। आयुक्त ने उक्त नोटिस के अनुसार प्राप्त खुलासों पर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। और आगे कहा कि इसलिए, हमारे मीरा-भायंदर शहर को STEM प्राधिकरण और MIDC द्वारा जलापूर्ति की जा रही है। संबंधित प्राधिकरण द्वारा संपूर्ण शुद्धिकरण प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही मीरा-भायंदर शहर को उक्त जलापूर्ति प्रदान की जाती है। शहरों में उक्त जलापूर्ति के दौरान, चरणों में क्लोरीनीकरण किया जाता है। इसी प्रकार, शहरों को जलापूर्ति करने वाली पानी की टंकियों में भी अतिरिक्त क्लोरीनीकरण किया जाता है। इसी प्रकार, मुख्य नियंत्रण द्वार और सभी पानी की टंकियों का क्लोरीनीकरण किया जाता है और उनका समय-समय पर निरीक्षण किए जाते हैं। इस प्रकार, शहरों में हमेशा स्वच्छ जल आपूर्ति बनी रहती है। मीरा-भायंदर नगर निगम शहर और कार्यालयों में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जॉय पर्सनल केयर ने ब्रांड एम्बेसडर सान्या मल्होत्रा के साथ अपने आइकॉनिक स्किन फ्रूट्स मॉइस्चराइजिंग क्रीम के लिए नया TVC जारी किया

मुंबई। भारतीय होम-ग्रोन पर्सनल केयर ब्रांड जॉय पर्सनल केयर, जो फ्रल ग्लोबल के अंतर्गत आता है, ने अपनी प्रसिद्ध स्किन फ्रूट्स मॉइस्चराइजिंग क्रीम के लिए एक नया कैंपेन लॉन्च किया है, जिसमें बहुमुखी फिल्म अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा नजर आएंगी। डीप मॉइस्चराइजिंग और हेल्दी ग्लो प्रदान करने के लिए जानी जाने वाली यह मॉइस्चराइजर भारतीय घरों की वर्षों से पसंद रही है। सेब और जोजोबा ऑयल से युक्त यह क्रीम 48 घंटे तक नमी बनाए रखती है, त्वचा की रूखापन दूर कर उसे मुलायम, चमकदार और नॉन-स्टिकी बनाती है। यह एक कालातीत स्किनकेयर उत्पाद है, जो पुराने यूजर्स के साथ-साथ आज की जनरेशन के उन उपभोक्ताओं को भी आकर्षित करता है, जो प्रभावशीलता और प्रामाणिकता दोनों चाहते हैं। सान्या की सादगी और लोगों से जुड़ाव, जॉय पर्सनल केयर की उस सोच से मेल खाता है, जो भरोसेमंद परफॉर्मेंस को आधुनिक स्पर्श के साथ पेश करती है। उनकी व्यापक लोकप्रियता उन्हें इस उत्पाद के लिए एक आदर्श ब्रांड एम्बेसडर बनाती है, जो विरासत और आधुनिकता के बीच पुल का काम करता है। यह हल्का-फुल्का ळश्उ एक परिवार की मनोरंजक स्थिति को दशार्ता है, जिसमें पारंपरिक लड़की देखने की रस्म को आधुनिक अंदाज में पेश किया गया है। जब संभावित दूल्हे की मां सान्या से उनके घरेलू हुनर के बारे में पूछती है, तो सान्या सबको चौंकाते हुए कमरे को एक उत्साहित इन्फ्लुएंसर शूट सेट में बदल देती है। माता-पिता ट्राइपॉड, एलईडी लाइट और मोबाइल कैमरा सेट करने में मदद करते हैं और सान्या आत्मविश्वास के साथ जॉय स्किन फ्रूट्स मॉइस्चराइजिंग क्रीम का मजेदार और आकर्षक रिव्यू प्रस्तुत करती हैं। सुनील अग्रवाल, को-फाउंडर और चेयरमैन, RSH ग्लोबल ने कहा, ह्लजॉय स्किन फ्रूट्स मॉइस्चराइजिंग क्रीम हमेशा से एक उत्पाद से अधिक रही है। यह भारतीय घरों का हिस्सा है, जिसने लगातार पोषण और भरोसे का वादा पूरा किया है। इसकी मजबूत मांग और वफादारी इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है।

रन फॉर यूनिटी' में ACP डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने दौड़ लगाकर दिया एकता का संदेश

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर वाराणसी में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' में कोतवाली क्षेत्र के एसीपी डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने पुलिसकर्मियों के साथ दौड़कर एकता का संदेश दिया।2 किलोमीटर की इस दौड़ में सैकड़ों पुलिसकर्मी और नागरिक शामिल हुए। एसीपी ने कहा, यह सिर्फ दौड़ नहीं, राष्ट्र की एकता का प्रतीक है। हर कदम भारत को मजबूत बनाता है। पूरे रास्ते ह्यभारत माता की जय और एकता में बल है के नारे गूंजते रहे। महिला पुलिसकर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन वाराणसी पुलिस के मिशन एकता अभियान का हिस्सा रहा, जिसका उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच समरसता बढ़ाना है।

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार थे सरदार पटेल: प्रो. राकेश यादव

समोधपुर पीजी कॉलेज में सरदार पटेल की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप मनाई गई

सुइथाकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समोधपुर पीजी कॉलेज में शुक्रवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप मनाई गई। इस अवसर पर 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन हुआ। प्रो.राकेश कुमार यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहित होकर भाग लिया।'रन फॉर यूनिटी' के बाद आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर राकेश कुमार यादव ने अपने उद्बोधन में सरदार पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरदार पटेल ने अखंड भारत के निर्माण में जो योगदान दिया, वह अद्वितीय है। उन्होंने 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को एकता का अमर संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार थे। आजादी के बाद भारत की जो तस्वीर हम देखते हैं, एक मजबूत, एकीकृत राष्ट्र, वह दरअसल सरदार पटेल के लौह-संकल्प का परिणाम है। यही कारण है कि उन्हें 'भारत का लौह पुरुष'कहा गया। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अविनाश कुमार वर्मा ने किया।इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विष्णुकांत त्रिपाठी, कार्यालय अधीक्षक बिन्द प्रताप सिंह, अखिलेश सिंह, पंकज कुमार, राजेश सिंह, मो.इदरीश व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भाजपा द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वी जयंती पर पद यात्रा

वसई रोड। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में वसई विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञाताई पाटिल द्वारा एकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025, शाम 5:00 बजे वसंत नगरी मैदान, वसई पूर्व से शुरू होकर जिला कार्यालय, अचोले, नालासोपारा पूर्व पर समाप्त हुई। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के लिए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का विचार सर्वोपरि था। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत भाजपा ने इस विचार को अपनाया है। यह एकता पदयात्रा एकता, राष्ट्रवाद और सामाजिक प्रतिबद्धता का संदेश देने के लिए आयोजित की गई थी। इस यात्रा में मुख्य उपस्थिति रूप से नालासोपारा विधायक राजन नाइक थे। इस पदयात्रा में भाजपा के सभी जिला अध्यक्ष,उपाध्यक्ष, जिला महामंत्री, जिला पदाधिकारी, युवा मोर्चा के जिला पदाधिकारी, जिला मोर्चा, मोर्चा, प्रकोष्ठ, प्रकोष्ठ पदाधिकारी, नागरिक, युवा, सामाजिक संगठन के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आशीर्वाद माइक्रोफाइनेंसने मनोज पासंघा को सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया

मुंबई। आशीर्वाद माइक्रोफाइनेंस लिमिटेड, एक अग्रणी माइक्रोफाइनेंस कंपनी और मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड की सहायक कंपनी, जेरार्ड डेविड मनोज पासंघा को अपने सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सह-सीईओ) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की है। अपनी नई भूमिका में, श्री मनोज पासंघा आशीर्वाद की विस्तार रणनीति का नेतृत्व करेंगे, परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ाएँगे और उत्पाद पेशकशों एवं सेवा वितरण में नवाचार को बढ़ावा देंगे। वे भारत भर में वित्तीय समावेशन और सतत विकास के प्रति आशीर्वाद की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करने के लिए वरिष्ठ नेतृत्व टीम के साथ मिलकर काम करेंगे। वे केरल के वलपाड़ में कार्यरत रहेंगे।

क्रेडिट से खुशहाल दुनिया में कैसे रहे वित्तीय रूप से सुरक्षित

मुंबई। आज आप अपने फोन पर कुछ टैप करके, अब लगभग किसी भी चीज के लिए ऋण प्राप्त कर सकते हैं – एक नया गैजेट, एक छुट्टी, या यहाँ तक कि अपनी शादी के लिए भी। डिजिटल ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म और क्रेडिट तक आसान पहुँच के कारण, भारत का वित्तीय परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। लेकिन ऋण लेने की इस नई सुविधा के साथ एक बड़ा जोखिम भी आता है: ₹ऋण का जाल₹। आशीष तिवारी, चीफ मार्केटिंग आफीसर, होम क्रेडिट इंडिया यह विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि भारत की घरेलू बचत पिछले 50 से अधिक वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर गिर गई है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023 में घरेलू वित्तीय बचत गिरकर जीडीपी का केवल 5.1% रह गई है। कई परिवार अपने दैनिक खर्चों का भुगतान करने के लिए क्रेडिट कार्ड या बीएनपीएल (अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें) योजनाओं पर निर्भर हैं, जिससे गलती की बहुत कम गुंजाइश बचती है। इस बदलते परिदृश्य में, वित्तीय तनाव से बचना अब एक समझदार चुनाव नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है।

जिलाधिकारी के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बक्सा का औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र बक्सा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र में लगे हुए धान सहित अन्य सब्जियों की फसल को देखते हुए धान के विभिन्न प्रजातियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। उन्होंने हाइटेक नर्सरी का भी जायजा लिया और निर्देशित किया कि जो भी कमी है, इसे शीघ्र ठीक करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की हाईटेक नर्सरी जनपद के किसानों के लिए तकनीकी ज्ञान का उत्कृष्ट स्रोत है, जिससे गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री समय पर उपलब्ध कराई जा सकती है। जिलाधिकारी ने कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि किसानों को उन्नत उद्यानिकी पद्धतियों, सब्जी एवं फल उत्पादन की आधुनिक तकनीक तथा पौध संरक्षण के उपायों की जानकारी निरंतर प्रदान की जाए, ताकि किसान अधिक लाभ प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र बक्सा के अधिकारी, कर्मचारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

महाराजगंज क्षेत्र में विस चुनाव में जातीय समीकरण हावी, मुद्दे गौण जो जीता वहीं सम्राट

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत 112-महाराजगंज विस चुनाव इस बार एनडीए और महागठबंधन। के बीच सीधे दिखाई दे रही है लेकिन इसमें प्रशांत किशोर और निर्दलीय प्रत्याशी नीतीश द्विवेदी भी अपने जीत के चक्कर की राह तलाश रहे हैं। चुनावी मैदान में, आमने-सामने के मुकाबले में जनसुराज प्रत्याशी और निर्दल के नीतीश द्विवेदी बना रहे हैं तीसरा कोण। अलावा इसके निर्दल से भी प्रत्याशी अपना भाग्य आजमाने में लगे हैं। महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला विधानसभा क्षेत्र महाराजगंज में चुनावी घमासान काफी रोचक हो गया है। पिछले कई चुनावों में आमने-सामने रहने वाले एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी हेम नारायण साह व महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी के बीच मुकाबला हुआ था जिनके हार जीत का अंतर मात्र 1600 था। महागठबंधन की विजय शंकर दुबे पिछले चुनाव में विजय हुए थे। इस बार की लड़ाई में एनडीए के हेम नारायण साह, महा गठबंधन के विशाल जायसवाल और जन सुराज के सुनील राय के बीच होती दिख रही है। इस लड़ाई में जातीय समीकरण बहुत बड़ा मायने रखता है। जन सुराज के सुनील राय भी जी-जान से लगे हुए हैं। इसके अलावा नीतीश द्विवेदी सहित, मदन यादव, नयन प्रसाद, अंगद कुमार, आशीष रंजन सिंह, डॉ विकास कुमार सिंह, राजकिशोर गुप्ता, रविंद्र कुमार, व अरुण कुमार शामिल हैं। चुनाव को लेकर वोटरों की गोलबंदी एक बार फिर से शुरू हो गई है। स्थानीय मुद्दे गौण हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, नहरों में पानी, डिग्री कॉलेज व स्टेडियम का निर्माण, अधूरे पुल पुलियों का निर्माण, नदी,नजर में आने वाली पानी से सिंचाई सहित कई ऐसे मुद्दे हैं, जिस पर स्थानीय लोग मुखर हैं। लेकिन, अंत में वोट देने की बात पर जातीय समीकरण ही हावी नजर आता दिख रहा है। ऐसे में विधानसभा चुनाव की तरह अगड़ी जातियों का वोट निर्णायक साबित हो सकता है। इसके अलावा हर चुनाव की तरह अंतिम समय में मतों का ध्रुवीकरण भी निर्णायक साबित हो सकता है। 2020 के अनुसार जातीय समीकरणः

मुस्लिम जाति13.30%, सिंह जाति 12.7%, अनुसूचित जाति 11.46%, अन्य प्रमुख जातियां, यादव कोइरी, कुर्मी, महतो, राजपूत, ब्राह्मण, रविदास, पासवान, इसके साथ ग्रामीण मतदाता 94.09% व शहरी 5.91% है।

जिलाधिकारी ने प्रधान के वित्तीय अधिकारों पर लगाई रोक

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड शाहगंज के ग्राम पंचायत धौरइल में मनरेगा से कराये गए विकास कार्यों में जांचोपरांत धांधली पाए जाने पर डीएम ने ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों पर रोक लगा दिया है। अंतरिम जांच के लिए डीएम ने जांच कमेटी की टीम गठित किया है । गौर तलब है कि उक्त ग्राम पंचायत में प्रधान संजय कुमार के द्वारा कराए गए विकास कार्यो में धांधली किये जाने की शिकायत गांव के ही विंध्यवासिनी मिश्रा पुत्र रमाकांत मिश्रा सहित गांव के लोगो के शिकायत पत्र डीएम जौनपुर को दिया गया था। जांच अधिकारी जिला वेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा जांच रिपोर्ट डीएम को सौपा गया । जांचोपरांत मनरेगा कार्यो में धांधली पाये जाने पर जिलाधिकारी जौनपुर ने प्रधान संजय कुमार के मनरेगा कार्यो के वित्तीय अधिकार और प्रशासनिक अधिकारों पर रोक लगा दिया है। डीएम ने अंतरिम जांच के लिए जिला पिछड़ा वर्ग अधिकारी एवं तकनीकी सहयोग के लिए अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को नामित कर एक महीने के अंदर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

भागवत में वर्णित श्रीकृष्ण लीला केवल कथा नहीं अपितु जीवन का गूढ़ संदेश हैः आचार्य बालकृष्ण शुक्ल

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रीमद्भागवत कथा ईश्वर और भक्ति के मधुर मिलन की दिव्य गाथा है जो हमें सिखाती है कि जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य भगवान की भक्ति और प्रेम है । उक्त अमृत वचन है प्रयागराज से आए आचार्य बालकृष्ण शुक्ल के जिन्होंने शुक्रवार को क्षेत्र के अतरहीं गाँव में श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के समापन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को रसपान कराते हुए कहा ।उन्होंने इस ज्ञान यज्ञ में आगे बताया कि जब मनुष्य अहंकार मोह और कामना छोड़ देता है तभी सच्ची भक्ति जागृत होती है । भगवान श्री कृष्ण का जीवन धर्म सत्य और करुणा का अद्भुत संगम है जो भक्त कथा को श्रवण करता है उसके जीवन से अज्ञान और दुख स्वतः मिट जाते है ।यह कथा हमे स्मरण कराती है की भगवान सदा अपने भक्तों के साथ रहते हैं ।समापन के पश्चात महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर प्रमुख रूप से शरद सिंह, राहुल सिंह,मिंटू सिंह,मनीष तिवारी,रविन्द्र मिश्रा,श्री प्रकाश सिंह ,दुर्गेश सिंह, श्याम बाबू यादव, जिला पंचायत सदस्य अजय शंकर दुबे आदि मौजूद रहे। अंत में आयोजक मनीष तिवारी ने अभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीओ सदर ने अपने पति को ही दे डाली जेल भेजने की धमकी

डॉक्टर पति ने लगाया सनसनीखेज आरोप, एसएसपी से मिल लगाई गुहार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पुलिस महकमे से जुड़ी एक चौंकाने वाली बड़ी खबर सामने आई है। सदर सर्किल ऑफिसर (सीओ) आस्था जायसवाल पर उनके पति डॉ. सत्यम गुप्ता ने गंभीर आरोप लगाए हैं। डॉ. सत्यम, जो आजमगढ़ मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं, ने अपनी पत्नी पर मानसिक उत्पीड़न और धमकियां देने का दावा किया है। उनका कहना है कि पत्नी उनसे बातचीत करने से इनकार करती हैं और संपर्क करने की कोशिश पर जेल भेजने की धमकी देती हैं। जून 2023 में बलिया निवासी आस्था जायसवाल से डॉ. सत्यम का विवाह हुआ था। अप्रैल 2024 में दंपति को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। हालांकि, डॉ. सत्यम का आरोप है कि बच्चे का नाम उनकी सहमति के बिना बदल दिया गया। पहले अथर्व गुप्ता था, जो अब अथर्व जायसवाल हो गया। शादी के बाद पत्नी की विधिवत विदाई कभी नहीं हुई और अब वह अलग रह रही हैं। सीओ सदर ने कथित तौर पर पति को चेतावनी दीः कायदे में रहोगे तो सोचूंगी, वरना जेल भेज दूंगी। इस मामले में डॉ. सत्यम ने आजमगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है और न्याय की मांग की है। मार्च 2025 में तलाक के लिए आवेदन दिया गया, जो अदालत में लंबित है।

पीएनबी मेटलाइफ ने बिहार में दो नई शाखाएँ शुरू की

पटना। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आज बिहार के बक्सर और दरभंगा में अपनी नई शाखाओं का शुभारंभ किया। कंपनी ने इन शाखाओं के उद्घाटन की घोषणा आज की। इस विस्तार के साथ, कंपनी की अब बिहार में कुल 6 शाखाएं हो गई हैं।